mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-61 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
03 मार्च 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडिटर
मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

राज्यसभा सीट पर खींचतान जारी, आदित्य ठाकरे बोले- विधायक संख्या के हिसाब से हमें मिलनी चाहिए सीट

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में राज्यसभा की सात सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होने हैं। इसी दिन वोटों की गिनती भी की जाएगी। इन चुनावों को लेकर महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के भीतर हलचल तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को साफ किया कि गठबंधन के दलों के बीच बातचीत में कोई रुकावट नहीं है। उन्होंने कहा कि जीतने लायक इकलौती सीट उनकी पार्टी को मिलनी चाहिए क्योंकि उनके पास विधायकों की जरूरी संख्या है।

आदित्य ठाकरे ने क्या कहा? आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि सभी पार्टियां आपस में लगातार चर्चा कर रही हैं। ठाकरे के अनुसार, विधायकों की संख्या और गठबंधन की रोटेशन पॉलिसी के हिसाब से यह सीट शिवसेना (यूबीटी) के खाते में ही जानी चाहिए। उन्होंने इस सीट पर अपनी पार्टी का दावा मजबूती से पेश किया है।

स्टांप शुल्क माफ : 'जिन्ना हाउस' होगा नीलाम, 2600 करोड़ के बंगले की होगी नीलामी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में स्थित शत्रु संपत्तियों की खरीद-बिक्री को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा फैसला लेते हुए इन पर स्टांप शुल्क माफ कर दिया है। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य ई-नीलामी के दौरान खरीदारों की भागीदारी को बढ़ाना और इन संपत्तियों के निपटान में आने वाली बाधाओं को दूर करना है। इस फैसले के बाद दक्षिण मुंबई के पॉश इलाके मलाबार हिल स्थित जिन्ना हाउस एक बार फिर सुर्खियों में है। 2,600 करोड़ रुपये की अनुमानित कीमत वाला यह बंगला कभी पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना का निवास था, जहाँ भारत के विभाजन की रूपरेखा तैयार की गई थी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अनुसार, इन संपत्तियों की नीलामी में पहले कम प्रतिक्रिया मिलती थी। स्टांप शुल्क माफी से खरीद लागत कम होगी, जिससे निवेशक आकर्षित होंगे। हालांकि, रियल एस्टेट विशेषज्ञों का मानना है कि इन संपत्तियों का एक हिस्सा सरकारी कार्यालयों के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि कई विभाग वर्तमान में किराए की इमारतों में चल रहे हैं। विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि जहाँ एक ओर ई-नीलामी से राजस्व बढ़ेगा, वहीं दूसरी ओर मानवीय पक्ष को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई परिवार दशकों से इन इमारतों में रह रहे हैं। ऐसे में बिना किसी पुनर्वास नीति के केवल नीलामी पर ध्यान केंद्रित करने से कानूनी विवाद बढ़ सकते हैं। सरकार को राष्ट्रीय हित और सामाजिक न्याय के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता है ताकि इन प्राइम लोकेशन पर स्थित जर्जर संपत्तियों का सही उपयोग हो सके।

क्या है शत्रु संपत्ति और नया नियम? शत्रु संपत्तियां उन लोगों की हैं जो 1965 और 1971 के युद्धों के बाद भारत छोड़कर पाकिस्तान या चीन चले गए।

ब्रज में विदेशी महिलाएं झूम के नाचीं: देवकीनंदन महराज ने हाइड्रोलिक पिचकारी से रंग बरसाए

1000 विधवा महिलाओं ने अबीर-गुलाल उड़ाकर खेली होली

मथुरा,एजेंसी। ब्रज में होली की धूम मची है। सोमवार को वृंदावन में हर कोई होली के रंग में रंगा नजर आया। कथा वाचक देवकीनन्दन ठाकुर ने प्रियाकांत जू मंदिर में भक्तों के साथ होली खेली। उन्होंने प्रियाकांत जू के चरणों में रंग अर्पित कर होली की शुरुआत की। इसके बाद हाइड्रोलिक पिचकारी से भक्तों और श्रद्धालुओं पर अबीर-गुलाल उड़ाया। जैसे ही महाराज ने होली के रसिया गाने शुरू किए, पूरा मंदिर परिसर जयघोष से गूंज उठा।वहीं, प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में निराश्रित और विधवा माताओं के लिए विशेष होली का आयोजन किया गया। 1000 से अधिक विधवा और निराश्रित महिलाएं होली

के भजन पर अबीर-गुलाल उड़ाकर जमकर नाचते-झूमते नजर आईं। बुजुर्ग और बेसहारा महिलाओं के साथ विदेशी महिलाएं भी झूमती नजर आईं। विदेशी पर्यटकों ने कहा कि यह अद्भुत अनुभव है और उन्हें बहुत आनंद आ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी होली उन्होंने पहले कभी नहीं देखी और इस तरह के आनंद की अनुभूति उन्हें पहली बार हुई। सुलभ इंटरनेशनल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 20 क्विंटल फूल और 25 क्विंटल गुलाल की व्यवस्था की गई थी।

रंग और गुलाल के बीच झूमकर नाचे श्रद्धालु- प्रियाकांत जू मंदिर में होली का उत्सव अपने चरम पर है। मंदिर प्रांगण रंगों की बौछार से सराबोर नजर आ रहा है। चारों ओर गुलाल और अबीर उड़ते दिखाई दे रहे हैं, वहीं होली के रसियाओं की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूमते हुए नृत्य कर रहे हैं।

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा

पीएम मोदी और कार्नी की मुलाकात के बाद करार, डिफेंस और एनर्जी सेक्टर में सहयोग करेंगे दोनों देश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के बीच सोमवार सुबह हैदराबाद पीएम हाउस में मुलाकात हुई। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- भारत और कनाडा के बीच निवेश-ट्रेड डील पर बातचीत हुई है। दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों के लिए एमओयू किया गया है। इससे दोनों देशों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा पीएम मोदी ने कहा- सिविल न्यूक्लियर एनर्जी में, हमने यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया है।

इसके अतिरिक्त, हम छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों और उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों के विकास पर सहयोग करेंगे। कृषि, कृषि प्रौद्योगिकी और खाद्य सुरक्षा में मूल्यवर्धन करना भी हमारे लक्ष्यों में शामिल है।

पीएम ने पश्चिम एशिया में ईरान वार को लेकर कहा- पश्चिम एशिया में

तनाव से भारत चिंतित है। भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। हर समस्या का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए।

पीएम ने आगे कहा- हम इस बात से सहमत हैं कि आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरता न केवल हमारे दोनों देशों बल्कि पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौतियाँ हैं। वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए इन खतरों से निपटने में हमारा घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है। विभिन्न मौजूदा मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट है।

भारत में भारत -कनाडा पल्स प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास और परिपक्व संबंधों का प्रतीक है। हम रक्षा उद्योगों, समुद्री क्षेत्र जागरूकता और सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे। इसी उद्देश्य से हमने आज भारत-कनाडा रक्षा संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया है।

10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता पीएम कार्नी के इस दौरे का सबसे बड़ा मकसद भारत-कनाडा के बीच 10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता है। बताया जा रहा है कि यह डील करीब 3 अरब डॉलर की हो सकती है।

कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश है। भारत और कनाडा के बीच न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट 2013 में लागू हुआ था, जिसके बाद कनाडा ने भारत को यूरेनियम सप्लाई शुरू की थी। भारत अपने तेजी से बढ़ते परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए और अधिक यूरेनियम खरीदना चाहता है।

दीपक जलाने पर घमासान

सीएम स्टालिन बोले- आस्था पर राजनीति नहीं होनी चाहिए ; पीएम मोदी ने बताया था असंवेदनशील

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर के दीप जलाने वाले विवाद पर अपनी सरकार का रुख मजबूती से बचाव किया। उन्होंने साफ कहा कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। उनका काम परंपरा की रक्षा करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तिरुप्परनकुंद्रम के अरुलमिगु सुब्रमण्या स्वामी मंदिर का दौरा किया था। इसके बाद उन्होंने मदुरै में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दीपक जलाने के मुद्दे पर द्रमुक सरकार को लोगों की भावनाओं के प्रति असंवेदनशील बताया था। उन्होंने कहा था कि अंत में भक्तों की ही जीत होगी।

पीएम मोदी के दौरे के बाद

सीएम स्टालिन ने एक वीडियो संदेश जारी कर अपनी सरकार का बचाव किया। स्टालिन ने कहा कि उन्होंने एक धार्मिक नेता के तौर पर नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री के रूप में मंदिर की परंपरा को बचाने का विकल्प चुना। उन्होंने कहा, ÷मेरा दृढ़ विश्वास है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। स्टालिन ने कहा कि तर्क और आस्था को एक-दूसरे के साथ टकराव में रहने की जरूरत नहीं है, दोनों एक ही समाज के दो चेहरे हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पश्चिम एशिया तनाव का असर, उड़ानें प्रभावित होने से परेशान दिखे यात्री

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया तनाव में बढ़ते संघर्ष के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानें प्रभावित हुई है। कई फ्लाइट्स को रद्द किए जाने और उड़ानों में देरी के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्री परेशान नजर आएं। एक यात्री ने बताया कि मिडिल ईस्ट में स्थितियां खराब होने से मक्का-मदीना जाने में परेशानी हो रही है, क्योंकि लड़ाई की वजह से उड़ानें प्रभावित हैं। एक सऊदी एयरलाइन जरूर समय से चल रही है, लेकिन भारत और अन्य देशों की एयरलाइन्स की उड़ानें प्रभावित है, जिससे लोगों को दिक्कत हुई है। एक परिवार उमरा करने के लिए दिल्ली से सऊदी अरब जा रहा है। वे दिल्ली एयरपोर्ट पर अपनी फ्लाइट का इंतजार करते हुए नजर आए। एक यात्री ने कहा हम उमरा करने के लिए मक्का जा रहे हैं। हालात बहुत मुश्किल हैं, लेकिन हमारी बारी आई, तो हमने जाने का फैसला किया।

हमने बहुत पहले अप्लाई किया था, जब सब कुछ सामान्य था।

एक महिला यात्री ने कहा भारत और सऊदी एयरलाइंस की सभी फ्लाइट्स सामान्य चल रही थीं। उनमें कोई रुकावट नहीं आई और कोई दिक्कत नहीं हुई। हम तारीफ करते हैं कि सऊदी एयरलाइंस ने अपने हज यात्रियों का पूरा ध्यान रखा है। सऊदी एयरलाइंस ने अपनी कोई भी फ्लाइट कैंसिल नहीं की है। हमारे पास जो जानकारी है, वह लेटेस्ट न्यूज अपडेट्स पर आधारित है।

ओडिशाः एंटी-नक्सल ऑपरेशन में बड़ी कामयाबी

बोलनगीर और बरगढ़ जिले माओवादियों से मुक्त; कई ने किया आत्मसमर्पण

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा पुलिस ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। राज्य सरकार ने अब बोलनगीर और बरगढ़ जिलों को आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित कर दिया है। इन दोनों जिलों में सक्रिय 15 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन माओवादियों ने पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने हथियार डाले। इस खास मौके पर ओडिशा पुलिस के वरिष्ठ

अधिकारी भी वहां मौजूद थे।

डीजीपी ने दी जानकारी :ओडिशा के डीजीपी वाई बी खुरानिया ने रविवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने राज्य भर में लगातार अभियान चलाए हैं। इसी मेहनत का नतीजा है कि आज यह अहम मुकाम हासिल हुआ है। अब ओडिशा में नक्सल मुक्त जिलों की कुल संख्या बढ़कर सात हो गई है। इन सुरक्षित जिलों की सूची में नुआपाड़ा, नबरंगपुर, कोरापुट, मलकानगिरी, बौध, बोलनगीर और बरगढ़ के नाम शामिल हैं।

हालांकि, राज्य के तीन जिलों में अब भी माओवादियों की मौजूदगी बनी हुई है। ये जिले कंधमाल, रायगढ़ा और कालाहांडी हैं। डीजीपी ने बताया कि सरेंडर करने वाले कैडर बरगढ़, बोलांगीर और महासमुंद के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय थे। इस बदलाव के बाद अब प्रसिद्ध गंधमर्दन पहाड़ियों वाले इलाके में भी शांति बहाल हो गई है।

इजराइल-ईरान जंग :

मोदी बोले- पश्चिम एशिया के हालात चिंताजनक

भारत अपने नागरिकों को निकालेगा; श्रीनगर में खामेनेई की मौत का विरोध, पुलिस का लाठीचार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी जंग पर कहा कि वहां हालात चिंताजनक हैं। भारत अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालेगा। हम बातचीत से समस्या का समाधान निकालने के पक्ष में हैं। मोदी ने आज दिल्ली में हैदराबाद हाउस में मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद यह बात कही।

इधर, जम्मू-कश्मीर में लगातार दूसरे दिन ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। श्रीनगर के बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस भी छोड़ी। कुछ लोगों को हिरासत में लिया। शोपियां, बारामूला, बांदीपोरा में लोगों ने बाजार बंद रखा है।

भारत के अलावा पाकिस्तान में भी खामेनेई की मौत के विरोध में हंगामा जारी है। आज सुबह पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर (PoK) में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने यूनाइटेड नेशंस के ऑफिस में आग लगाई है, जिसमें गिलगित में यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (UNDP) का ऑफिस भी शामिल है। वहीं, स्कर्दू में एसपी ऑफिस और कई सरकारी इमारतों में भी आग लगाई गई। प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की वजह से 7 प्रदर्शनकारी मारे गए, 12 से ज्यादा घायल हैं। यहां पर अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित की गई है। गिलगित और स्कर्दू में सिक्योरिटी हाईअलर्ट पर है।

रविवार को पाकिस्तान के कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में खामेनेई की मौत के विरोध में हंगामा हुआ था। घुसपैठ करने वाले प्रदर्शनकारियों पर दूतावास के अंदर से गोलियां चलाई गई थीं। अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। 10 से ज्यादा घायल हैं। हंगामा इमामिया छात्र संगठन ने किया था।

पीएम मोदी बोले- मुश्किल वक्त में भारत UAE के साथ

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच लगातार दो दिन से जंग और मिडिल ईस्ट के देशों में फंसे भारतीयों और भारत में सुरक्षा को लेकर 1 मार्च की रात करीब 9.30 बजे पीएम मोदी के आवास पर सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें शाह, राजनाथ, CDS चौहान, वित्तमंत्री भी शामिल रहीं। मीटिंग में वेस्ट एशिया में रहने वाले भारतीयों और वहां फंसे लोगों की सुरक्षा, हालात बिगड़ने पर उससे कैसे निपटा जाए, इस पर चर्चा हुई। फिलहाल वेस्ट एशिया का एयरस्पेस लगभग बंद है। पीएम ने ङ्ग पोस्ट में बताया कि उन्होंने श्व प्रेसिडेंट शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। पीएम ने बताया था कि भारत ने श्व पर हुए हमलों की निंदा की है। भारत इस मुश्किल समय में उनके साथ है। वहां रहने वाले भारतीयों का ध्यान रखने के लिए श्व का धन्यवाद है। हम तनाव कम करने, शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करते हैं। पीएम ने यह भी बताया कि इजराइल के घटनाक्रमों पर भारत ने चिंता जताई है। भारत ने नागरिकों की सुरक्षा पर जोर दिया है। यही सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारत दुश्मनी को जल्द खत्म करने की जरूरत पर फिर से जोर देता है। **ईरान में 10 हजार भारतीय** :ईरान में करीब 10 हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, पढ़ते और काम करते हैं। जबकि 40,000 से ज्यादा इजराइल में रहते हैं। गल्फ और वेस्ट एशिया में करीब 90 लाख भारतीय हैं।

सऊदी अरब में अरामको की रिफाइनरी पर ईरान का हमला

यह दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी ; इजराइल-कतर और बहरीन पर भी अटैक

तेल अवीव/तेहरान,एजेंसी। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। इस बीच ईरान ने सऊदी अरब की बड़ी तेल रिफाइनरी रास तनूरा पर हमला किया है। यह रिफाइनरी सऊदी की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको की है। रॉयटर्स के मुताबिक रिफाइनरी हमले के बाद बंद कर दी गई। इसकी क्षमता लगभग 5.5 से 6 लाख बैरल प्रतिदिन के आसपास मानी जाती है। ऑयल एक्सपोर्ट टर्मिनल रास तनूरा दुनिया के सबसे बड़े ऑफशोर ऑयल लोडिंग टर्मिनलों में से एक है। यहां से बड़े तेल टैंकरों में कच्चा तेल भरकर अमेरिका, एशिया और यूरोप समेत कई देशों को भेजा जाता है।

वहीं, ईरान के टॉप नेशनल सिक्योरिटी अधिकारी अली लारीजानी ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका से कोई बातचीत नहीं करेगा। यह बयान उन खबरों के जवाब में आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश की है। ईरान ने आज इजराइल के अलावा कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में हमले फिर शुरू कर दिए हैं। दूसरी ओर इस जंग में अब लेबनान का उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह भी शामिल हो गया है।उसने इजराइल में कई जगहों पर बमबारी की है। हिजबुल्लाह को ईरान से समर्थन मिलता है, अब उसका कहना है कि वह खामेनेई की मौत का बदला ले रहा है।

ईरान में बेटे से मिलने गई फातिमा भी जंग में फंसी

परिजनों से टूटा संपर्क; गिरती मिसाइलों से दिखा खौफनाक मंजर

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ईरान, इराक, सऊदी अरब समेत अन्य खाड़ी देशों में चारों ओर गिर रही मिसाइलों के धुओं के बीच फंसे भारतीय लोग अपने परिजनों से संपर्क करने की कोशिशों में लगे हुए हैं। वहीं ग्रेटर नोएडा के छोलसा निवासी फातिमा अपने बेटे मुर्तजा से मिलने के लिए ईरान के कुम गई थी। अब वह जंग में फंसी हुई हैं।

कई परिजनों ने बताया कि शनिवार रात 11 बजे के बाद से उनका संपर्क नहीं हो पाया है। इसलिए और भी उनमें दहशत बनी हुई है। वहीं, कुछ ने बताया कि जिस तरफ नजर जा रही है, उस तरफ सिर्फ गिरती मिसाइलों का धुओं और बजते सायरन की गूंज सुनाई दे रही है। ग्रेटर नोएडा के छोलसा निवासी च्यूमर हुसैन ने बताया कि उनका बेटा मुर्तजा ईरान के कुम शहर में थाइलाजी की पढ़ाई कर रहा है।

उनकी पत्नी फातिमा बेटे से मिलने गई थी। उनको वापस आना था, लेकिन हमले शुरू होने के कारण वह भी वहीं फंस गई हैं। अंदर से डर सता रहा है, नेटवर्क लाइनें ध्वस्त होने के कारण संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। हालांकि, जिस स्थान पर उनके परिजन हैं वहां पर अभी हमले नहीं हुए हैं।

हर तरफ दिखा रहा मिसाइलों का धुंआं

छोलसा निवासी साकिब रजा ने बताया कि उनके दो भाई असद रजा व असकरी रजा ईरान के कुम शहर में करीब छह वर्षों से रह रहे हैं। एक रिश्तेदार मुस्तफा भी करीब 12 वर्षों से रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिस तरफ नजर जाती है तो सिर्फ मिसाइलों का धुंआं ही धुंआ दिखाई देता है। बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे के बाद से संपर्क नहीं हो पाया है। इसलिए और भी अंदर से अब डर सा लग रहा है। शनिवार रात में हुई बात के दौरान बताया था कि खाने-पीने की व्यवस्था सरकार की ओर से की गई है और उन लोगों को बेसमेंट ले जाने की व्यवस्था कराई जा रही है।

गिरती मिसाइलों से दिखा खौफनाक मंजर : छोलसा गांव से मुजाहिद हुसैन इराक के कर्बला में करीब दो वर्षों से रह रहे हैं और साहिद जमा इराक के नजफ शहर में दो वर्ष से निवास कर रहे हैं। इन लोगों से शनिवार की रात हुई बात में बताया गया कि अंदर से दहशत बनी हुई है।

जिस तरफ जाती है तो सिर्फ गिरती मिसाइलें दिखाई देती हैं और बजते सायरनों की आवाज कानों में गूंजती है। जिस समय मिसाइलें गिर रही हैं तो सिर्फ आसपास धुंआं ही धुंआं दिखाई देता है। सभी लोगों को सुरक्षा बलों की ओर से बेसमेंट में शिफ्ट किया जा रहा है। छोलसा निवासी मुद्दबिल ने बताया कि उनका छोटा भाई ईरान के इस्तिहान में करीब तीन महीने से रह रहा है।

जब से हमले बढ़े हैं, अंदर से डर सता रहा है, हालांकि जिस स्थान पर उनका भाई है। वहां पर अभी हमले नहीं हुए हैं, लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेमेई के मौत के बाद से स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है।

नितिन हत्याकांडः ग्रेटर नोएडा में सातवां आरोपी विशाल गिरफ्तार,

पुरानी रंजिश बनी हत्या की वजह

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में ईकोटेक वन कोतवाली क्षेत्र के लुक्सर गांव निवासी नितिन नागर हत्याकांड में नामजद सातवें आरोपी विशाल को भी पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में छह आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी थी। मृतक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। लुक्सर निवासी नितिन नागर पुत्र फिरेलाल की 24 फरवरी को घर के सामने दौड़ा-दौड़ा कर उसकी पत्नी श्वेता के सामने गोलियां मार कर और चाकू से कई वार कर हत्या कर दी गई थी। गांव निवासी विनय की कुछ साल पहले गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। उक्त प्रकरण में नितिन नागर मुख्य आरोपित था। पूर्व की घटना को लेकर ही दूसरे पक्ष से नितिन की रंजिश चली आ रही थी।

फरार चल रहा था वशाल : नितिन की हत्या में आरोपित सात लोगों में से राजेश, नितिन, सचिन, विपिन, मोनू और जितेंद्र उर्फ जीते को पुलिस पहले की गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। घटना के बाद से फरार चल रहे लुक्सर निवासी विशाल की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रहीं थी। वहीं, रविवार को एमआर गोल चक्कर के पास से उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से तमंचा, कारतूस बरामद किया गया पुलिस यह जांच कर रही है कि विशाल ने तमंचा कहां से, कब और किससे खरीदा था। तमंचा देने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबादः हाउस टैक्स पर लोगों के आक्रोश को भुना रहा विपक्ष

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में नगर निगम द्वारा टैक्स में इजाफा करने के बाद आम लोगों के आक्रोश का विपक्ष पूरा फायदा उठाने में जुट गया है। राजनीतिक पार्टियों ने नगर निगम क्षेत्र के मतदाताओं का गुणा-भाग करना शुरू कर दिया है। वहीं, विपक्ष आगामी विधानसभा चुनाव में इस मुद्दे को भुनाने के लिए जुट गया है। टैक्स बढ़ाने से नाराज कुछ लोग विपक्ष के सुर में सुर भी मिला रहे हैं।

इस्तीफा देने की दी चेतावनी : नगर निगम द्वार टैक्स बढ़ाने के बाद शहर में लोगों में आक्रोश है। व्यापारियों ने विरोध में जगह-जगह होर्डिंग बैनर लगा दिए हैं। विभिन्न आरडब्ल्यूए में इसके विरोध को लेकर बैठकों का दौर चल रहा है। लोग पार्षदों से जवाब मांग रहे हैं। पार्षद इस मामले में कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है। हालांकि, शनिवार को कुछ पार्षदों ने लोगों के गुस्से को

16 लाख वोटर पर साधेंगे निशाना

देखते हुए इस्तीफा देने की चेतावनी दी।

टैक्स बढ़ाने के बाद जिस तरह का शहर में माहौल बन रहा है, उसे विपक्ष की पार्टियां हाथों-हाथ लेने की कोशिशें कर रही हैं। सपा के कार्यकर्ता पार्षद से लेकर आम लोगों के बीच जाकर अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं।

सपा के जिला अध्यक्ष ने आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता और गाजियाबाद की राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाली डाली शर्मा ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्षी दलों की नजर गाजियाबाद सदर, साहिबाबाद और मुरादनगर विधानसभा के मतदाताओं पर हैं। यदि बात करें तो साहिबाबाद सीट पर करीब 10,33,314 और सदर सीट पर लगभग 4,69,542 मतदाता हैं। आधी मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता गाजियाबाद नगर निगम क्षेत्र में निवास करते हैं। विशेषज्ञों की माने तो नगर निगम क्षेत्र में तीन विधानसभा के लगभग 16 लाख मतदाता निवास करते हैं। जबकि नगर निगम क्षेत्र में लगभग 5.5 लाख मतदाता है।

लोगों को राहत देने के पक्ष में हैं महापौर : इस मामले में महापौर भी सतर्क हैं। वह भी शहर के लोगों को राहत देने के पक्ष में है। जिससे विपक्ष टैक्स पर सियासी रोटियां न सेक सकें। वहीं भाजपा के विधायक और सांसद में करदाताओं को राहत देने के पक्ष में है। यही वजह है कि पूर्व में सदन की बैठक में टैक्स बढ़ाने का प्रस्ताव निरस्त कर दिया था। बैठक में विधायक और सांसद भी मौजूद रहे थे।

एमक्यू रीपर, 7 तरह के जेट, अमेरिका ने ईरान पर मारे ये खतरनाक हथियार

ईरान, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिका और ईरान का ऑपरेशन जारी है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने इस कार्रवाई को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया है। इसके तहत नौसेना के बेस, सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई के दफ्तर, IRGC यानी इरान रिवॉल्युशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के मुख्यालय समेत कई ठिकाने शामिल हैं। वहीं, ईरान ने भी जवाबी हमले किए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरानी नौसेना के नौ जहाजों को नष्ट कर दिया गया है। ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर कहा कि जहाज नष्ट हो गए हैं और डूब गए हैं और इनमें से कुछ बड़े और अहम थे। ट्रंप ने कहा कि ईरान के बाकी सैन्य पोत भी जल्द ही समुद्र की तलहटी में तैरते नजर आएंगे! राष्ट्रपति ने कहा कि एक अन्य हमले में ईरान का नौसेना मुख्यालय लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गया। न्यूज एजेंसी एपी के अनुसार, ईरान में संभावित नए नेतृत्व ने संकेत दिया है कि वह अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिका और इजराइली बलों के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता एवं उसके अन्य शीर्ष अधिकारियों की मौत के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप आखिरकार बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन फिलहाल सैन्य अभियान बिना रुके जारी है। अधिकारी ने यह नहीं बताया कि ईरान का संभावित नया नेता कौन है या बातचीत की कथित इच्छा उसने किस तरह जाहिर की।

पश्चिम एशिया में हमलों के बाद तेल कीमतों में तेज उछाल, वैश्विक आपूर्ति पर संकट गहराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को झकझोर दिया है। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर हमलों तथा उसके जवाबी हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। बाजार खुलते ही ट्रेडर्स ने आशंका जताई कि क्षेत्र से तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे कीमतों में और तेजी आ सकती है। पश्चिम एशिया में युद्ध की आग− भारत समेत वैश्विक बाजार पर कैसा होगा असर तेल से शेयर बाजार तक; यहां जानिए सबकुछ अमेरिका में उत्पादित हल्का और मीठा कच्चा तेल वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट लगभग 72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो शुक्रवार के 67 डॉलर के स्तर से करीब 8 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़े तो यह उछाल जारी रह सकता है। पश्चिम एशिया के तनाव का सबसे बड़ा असर

होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार है, जहां से प्रतिदिन लगभग 1.5 करोड़ बैरल कच्चा तेल गुजरता है। यह वैश्विक तेल आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा है। इस मार्ग से सऊदी अरब, कुवैत, इराक, कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान का तेल और गैस विश्व बाजार तक पहुंचता है। हाल ही में इस मार्ग से गुजर रहे दो जहाजों पर हमले की खबर ने चिंता और बढ़ा दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि इस जलमार्ग में आवाजाही सीमित होती है तो कई देशों की निर्यात क्षमता प्रभावित होगी, जिससे वैश्विक स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि तय मानी जा रही है। तनाव के बीच राहत देने की कोशिश में समूह के आठ देशों ने कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की है। अप्रैल से 2,06,000 बैरल प्रतिदिन अतिरिक्त उत्पादन किया जाएगा। उत्पादन बढ़ाने वाले देशों में सऊदी अरब, रूस, इराक, यूएई, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं। हालांकि ऊर्जा विश्लेषकों का कहना है कि केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगौ।

तेहरान में फिर सुनाई दी जोरदार धमाकों की आवाज

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ईरान पर हवाई हमले किए थे, जिनमें ईरान के कई शहर निशाने पर आए। आज फिर ईरान की राजधानी तेहरान के विभिन्न हिस्सों में लगातार जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। हालात लगातार बदल रहे हैं और क्षेत्र में संभावित बड़े संघर्ष का खतरा बढ़ गया है। नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता जारी है। इराकी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार राजधानी बगदाद के दक्षिण में स्थित जुरफ अल-सखर इलाके में हवाई हमले की सूचना मिली है। फिलहाल हमले की व्यापकता और नुकसान का विवरण सामने नहीं आया है। सुरक्षा बल इलाके की निगरानी कर रहे हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

दक्षिणी लेबनान से बेरूत की ओर भारी पलायन : लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच हुई गोलीबारी के बाद देश के दक्षिणी हिस्से से लोगों का भारी पलायन शुरू हो गया है। टायर क्षेत्र

से बेरूत और उत्तरी लेबनान की ओर बड़ी संख्या में लोग जा रहे हैं। नागरिक सुरक्षा दल इस समय सड़क यातायात को नियंत्रित कर रहे हैं ताकि पलायन सुरक्षित तरीके से हो सके। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कम से कम 53 गांवों और कस्बों के निवासियों को अपने घर खाली करने का आदेश दिया है, जिससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। कतर ने ईरानी हमलों के जवाब में अपनी सुरक्षा रणनीति में बदलाव किया है। पिछले 48 घंटों में देश ने पैट्रियट डिफेंस सिस्टम तैनात किया था ताकि मिसाइल और ड्रोन को रोक सके, लेकिन इससे गिरते मलबे का खतरा भी बना रहता था। अब कतर की रक्षा मंत्रालय ने फैसला किया है कि लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर मिसाइलों को सीधे शहर दोहा के ऊपर नहीं, बल्कि गल्फ के पानी में नष्ट किया जाएगा। अमेरिका और इस्राइल के ईरान पर हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी सेना ने अब ईरान पर अपने हमले और तेज कर दिए हैं। अमेरिका ने दावा किया कि उसने ईरान की सबसे ताकतवर सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मुख्यालय को पूरी तरह मलबे में बदल दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस बड़े हमले की पुष्टि की है। यहां पें... ईरान की राजधानी तेहरान के विभिन्न हिस्सों में लगातार जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं, जिससे शहर में तनाव और भय का माहौल बन गया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मिसाइल और हवाई हमलों के कारण राजधानी के उत्तरी, पश्चिमी और केंद्रीय इलाकों में धमाके गूंज रहे हैं और आसमान में धुएं के गुबार उठते देखे गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद को पत्र भेजकर सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की अमेरिका और इस्राइल द्वारा की गई हत्याओं की निंदा की है।

पत्र में खामेनेई की हत्या को कायरतापूर्ण आतंकवादी कृत्य और खतरनाक व अभूतपूर्व सैन्य वृद्धि बताया गया है, जो राष्ट्रों के बीच संवैधानिक और सभ्य आचार के मूल सिद्धांतों पर हमला करती है। अराघची ने कहा कि इस तरह का व्यवहार केवल अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं करता, बल्कि गंभीर रूप से पंडोरा का बक्सा खोलता है, जो सार्वभौमिक समानता और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की स्थिरता को कमजोर करता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से तत्काल, ठोस और प्रभावी कदम उठाने की अपील की ताकि अमेरिका और इज़राइल को इस भयंकर आतंकवादी कृत्य के लिए पूरी तरह जवाबदेह बनाया जा सके और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखी जा सके। एक मार्च की देर रात बगदाद में अमेरिकी दूतावास के पास इराकी सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हो गई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। इस्राइली सेना ने बिन्त जबील कस्बे सहित दक्षिणी लेबनान के दर्जनों गांवों के लोगों से अपने घरों को खाली करने और इमारतों से कम से कम 1 किलोमीटर दूर रहने का आह्वान किया है। इतने विशाल क्षेत्र के लिए जारी की गई यह चेतावनी, गाजा पर इस्राइल के नरसंहार युद्ध के दौरान जारी किए गए सामूहिक विस्थापन के आदेशों की तरह प्रतीत होती है।

यूपी कौशल विकास मिशन ने 447 संस्थानों को भेजा नोटिस,प्रस्तावों में मिली खामियां

लखनऊ, एजेंसी। कौशल विकास मिशन ने अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने के लिए विशेषज्ञ संस्थानों के इंपैनलमेंट के लिए पिछले वर्ष दिसंबर में प्रस्ताव मांगा था। मिशन की जांच में पाया गया कि 447 संस्थानों के प्रस्ताव मानक के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे सभी संस्थानों को सात दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, इन संस्थानों को डिबार नहीं किया गया है। संस्थानों को कमियां दूर करने का एक मौका दिया जा रहा है। परीक्षण के बाद जो संस्थान अपनी त्रुटियां सुधार लेंगे, उन्हें आगे अवसर दिया जाएगा। मिशन की ओर से एक प्रोफार्मा भी जारी किया गया है, जिसमें संबंधित सेक्टर का नाम, जिला, कौशल प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता और लक्ष्य का विवरण देना अनिवार्य किया गया है।

फ्रीजर में लाश और तीन दिन से बंद बिरयानी की दुकान, यहां मिलीं चप्पलें; हत्या के बाद छिपा दिया शव!

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की लखनऊ से एक और सनसनीखेज मामले मामला सामने आया है। यहां बख्शी का तालाब के किशनपुर गांव निवासी विजय पाल (38) का शव रविवार सुबह जीसीआरजी कॉलेज गेट के सामने स्थित वेज बिरयानी की दुकान में रखे फ्रीजर में मिला। विजय शुक्रवार दोपहर से लापता थे। पुलिस को घटनास्थल पर मिले परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्या की आशंका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। हार्ट और विसरा सुरक्षित रखा गया है। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। विजय के पिता डलई ने बताया कि बेटा खेती-किसानी के साथ टेलीकॉम कंपनी में केबल बिछाने का काम करता था। शुक्रवार दोपहर वह घर से बिना किसी को कुछ बताए ही निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। परिजनों ने उसे काफी तलाशा पर कुछ पता नहीं चल सका। मोबाइल पर कॉल की गई पर संपर्क नहीं हो सका। रविवार सुबह जीसीआरजी कॉलेज के सामने बनी वेज बिरयानी की दुकान के मालिक माल के निकरोजपुर गांव निवासी सनी बर्तन लेने पहुंचे तो फ्रीजर में विजय का शव पड़ा देखा। शव मिलने की सूचना पाकर मौके पर डीसीपी नॉर्थ गोपाल चौधरी, एडीसीपी ऋषभ रूणवाल पुलिस टीम के साथ पहुंचे। छानबीन के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुला लिया गया। शव के पास मिले मोबाइल व आधार कार्ड की मदद से शव की पहचान की गई और खबर परिजनों को दी गई। पुलिस को घटनास्थल पर मिले कुछ साक्ष्यों ने हत्या की ओर इशारा किया है। विजय पाल की एक चप्पल सड़क के किनारे मिली, जबकि दूसरी दुकान के अंदर मिली। दुकान के अंदर से शराब के खाली पाउच और गिलास भी बरामद हुए हैं। पुलिस का मानना है कि संभवतः विजय पाल की हत्या कहीं और की गई और बाद में उनके शव को दुकान के फ्रीजर में छिपा दिया गया। छानबीन में पता चला कि वेज बिरयानी की दुकान बक्शी के तालाब पर्वतपुर निवासी अजय की है। दुकान को सनी ने किराये पर ले रखा है। दुकान अस्थायी है। तीन तरफ से टिन लगी है और सामने का रास्ता खुला हुआ है। सनी के पिता की चार दिन पहले मौत हो गई थी। इसी वजह से उनकी दुकान बंद थी। रविवार को वह दुकान से बर्तन निकालने पहुंचे थे। इंस्पेक्टर बख्शी का तालाब संजय सिंह ने बताया कि छानबीन व जांच में पता चला है कि विजय जुआ खेलने और शराब पीने के आदी थे। पुलिस इस एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। विजय के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल से पता लगाया जा रहा है कि विजय की आखिरी बार बात किससे हुई थी। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

शिक्षा मुफ्त होनी चाहिए, गरीबों से दूर बताया बजट

गोरखपुर, एजेंसी। इंदिरा बाल विहार स्थित चेतना तिराहे पर केंद्रीय आम बजट को लेकर लोगों ने खुलकर अपनी राय रखी। इस दौरान आमजन और युवाओं ने बजट को गरीबों की अपेक्षाओं से दूर बताया और सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े किए। युवराज ने शिक्षा को लेकर कहा कि शिक्षा पूरी तरह से मुफ्त होनी चाहिए। गरीब परिवारों के बच्चे आज भी संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। बजट में शिक्षा पर खर्च बढ़ना चाहिए। तभी देश का भविष्य मजबूत होगा। अमित चंद्र ने कहा कि यह बजट गरीब और मध्यम वर्ग के लिए नहीं बनाया गया है। बजट में बड़े आंकड़े दिखते हैं, लेकिन आम आदमी की जिंदगी में कोई बदलाव नजर नहीं आता। महंगाई और बेरोजगारी पर ठोस समाधान नहीं है। गरीब रोटी और रोजगार के लिए भटकता है। बजट में यह साफ नहीं दिखता है। शिवम सिंह ने कहा कि आम गरीब जनता का बजट से सीधा लेना-देना नहीं होता। उसे रोज मजदूरी करनी होती है, और उसी से घर चलता है। मजदूरी में एक रुपया बढ़े या घटे, वही उसके लिए मायने रखता है। बजट के बड़े दावे जमीनी स्तर पर असर नहीं डालते। सरकार को यह समझना चाहिए। अभिषेक ने स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए कहा कि यदि सरकार गंभीर मरीजों के लिए दवाओं पर टैक्स पूरी तरह से छूट कर दे तो लाखों गरीबों की जान बच सकती है। देश में कैंसर जैसी बीमारियों का इलाज बेहद महंगा है। बजट से कोई ठोस राहत नहीं। ऋषभ ने बताया कि विकास की बातें हर बजट में होती हैं, लेकिन यह विकास आम गरीब तक कहां पहुंच रहा है, यह साफ नहीं है। योजनाएं बनती हैं, लेकिन लाभ सीमित लोगों को मिलता है। सरकार को जमीनी सच्चाई समझनी चाहिए। तभी विकास सार्थक होगा। शुभम ने परिवहन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बुलेट ट्रेन अच्छी पहल है, लेकिन मौजूदा आबादी के हिसाब से सामान्य ट्रेनों की संख्या कम है। यात्रियों को सीट नहीं मिलती। लोग बोगियों में खड़े होकर सफर करते हैं। युवराज ने शिक्षा को लेकर कहा कि शिक्षा मुफ्त होनी चाहिए। गरीब परिवारों के बच्चे आज भी संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। बजट में शिक्षा पर खर्च बढ़ना चाहिए। तभी देश का भविष्य मजबूत होगा। विवेक और विक्रम ने संयुक्त रूप से कहा कि देश में इतने रोजगार विकसित होने चाहिए कि यहां का युवा बाहर न जाकर देश में ही तरक्की में योगदान दे। बेरोजगारी बढ़ने से आने वाला समय चुनौतीपूर्ण होगा।

शक्तिनगर में 1.20 करोड़ रुपये से बनेगी सड़क

गोरखपुर, एजेंसी। वार्ड नंबर-46 स्थित शक्तिनगर से सहदेवनगर कॉलोनी तक जल्द ही विकास कार्यों की नई तस्वीर देखने को मिलेगी। क्षेत्र की टूटी सड़कें, जलभराव और अव्यवस्थित नालियों को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस पहल की है। 15वें वित्त आयोग की निधि से प्रस्तावित इस परियोजना को मेयर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली समिति से स्वीकृति मिल चुकी है, जिसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। करीब 1.20 करोड़ रुपये से सीसी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र में आवागमन सुगम बनाना और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करना भी है। इसके तहत आरसीसी नाली का निर्माण कर उसे गोड़धोइया नाले से जोड़ा जाएगा, जिससे बरसात में जल भराव की समस्या से निजात मिल सके। इसके अलावा साइड पटरी पर इंटरलॉकिंग कर पैदल चलने वालों और स्थानीय निवासियों को अतिरिक्त सुविधा दी जाएगी।

हिन्दू धर्म परिषद की लठ्ठमार होली मिलन में 7 मार्च को राजेन्द्र शुक्ल होंगे मुख्य अतिथि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 07 मार्च को सायं 05 बजे से स्थानीय सॉई मंदिर कोठी कम्पाउंड प्रांगण में हिन्दू धर्म परिषद के तत्वावधान में ब्रज वरसाना की प्रसिद्ध लठ्ठमार होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर नगरवासियों को होली की शुभकामनाएं देंगे कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं आयोजन का प्रभारी संरक्षक संजय तिवारी 'मुन्नू' को घोषित किया गया है आयोजन में सॉई संस्थान एवं रिदम म्यूजिकल ग्रुप के सदस्य सक्रिय भूमिका निभाएंगे। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर के कलाकारों एवं नागरिकों को सादर आमंत्रित किया गया है आयोजन समिति में संयोजक सुमित माँजवानी, सह संयोजक उमेश कुशवाहा, अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, महिला अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह, युवा अध्यक्ष विकास सेन 'आर्यन', संरक्षक अवधेश श्रीवास्तव एवं इंजीनियर राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं समिति ने गीत-संगीत और नृत्य से सजे यादगार आयोजन का संकल्प लिया है। सॉई संस्थान के राजेश साहनी एवं अजय धमीजा ने समस्त सॉई परिवार से कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है वहीं रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी, उपाध्यक्ष अवनीश शर्मा, महासचिव पियूष मिश्रा एवं दिलीप ठारवानी ने बताया कि होली के पारंपरिक एवं फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में मस्ती के रंग घोले जाएंगे हिन्दू धर्म परिषद द्वारा आयोजित यह लठ्ठमार होली मिलन समारोह नगर में सांस्कृतिक एकता और उत्साह का प्रतीक बनेगा।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन की प्रगति समीक्षा, लंबित प्रकरणों के निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में विभागवार लंबित शिकायतों की स्थिति की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली व्यवस्था है इसलिए शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने तथा शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत संपर्क कर उनकी संतुष्टि प्राप्त करने के निर्देश दिए साथ ही 'ए' एवं 'बी' ग्रेडिंग प्राप्त करने के उद्देश्य से विभागों को अपनी प्रगति में सुधार लाने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा गया समीक्षा के दौरान जिन विभागों की प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं पाई गई उन्हें कारण बताओ सूचना जारी करने के निर्देश भी दिए गए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न होकर वास्तविक समाधान आधारित होना चाहिए ताकि आमजन को शासन की योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी केंद्र को लेकर विवाद : ताला तोड़ने की कोशिश, महिला और उसके साथी को बनाया बंधक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत धुआँडोल के ग्राम निधिपुरी में सोमवार को आंगनवाड़ी केंद्र को लेकर विवाद हो गया ग्रामीणों ने केंद्र का ताला तोड़ने की कोशिश कर रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आरती गुप्ता और उनके साथ आए एक व्यक्ति को बंधक बना लिया बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले तीन वर्षों से केंद्र में पदस्थ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आरती गुप्ता नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो रही थीं इसी नाराजगी के चलते ग्रामीणों ने दो महीने पहले आंगनवाड़ी केंद्र में ताला लगा दिया था सोमवार को आरती गुप्ता मोहित कुमार नामक एक अन्य व्यक्ति के साथ केंद्र पहुंचीं और ताला तोड़ने का प्रयास करने लगीं ग्रामीणों ने इसे जबरन घुसने की कोशिश मानते हुए दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया सूचना मिलने पर मड़वास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को थाने ले गई ग्राम पंचायत के सरपंच राजकुमार कोल ने आरोप लगाया कि कार्यकर्ता की अनुपस्थिति की शिकायत कई बार उच्च अधिकारियों से की गई थी लेकिन न तो उनका स्थानांतरण हुआ और न ही कोई विभागीय कार्रवाई की गई उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषी कार्यकर्ता पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और संबंधित विभाग को सूचित कर दिया गया है जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी वहीं, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी प्रवेश मिश्रा ने ग्रामीणों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कार्यकर्ता नियमित रूप से केंद्र जाती हैं और कुछ लोग उन्हें जानबूझकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

आनंद-आहाद, उत्साह व आरोग्य प्रदाता होलिकोत्सव, होली खेले पलाश के फूलों से.... रंगपंचमी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पूज्यपाद संत आशाराम बापू जी अहमदाबाद द्वारा संचालित योग वेदान्त सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश आहूजा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति कि रंगपंचमी का कार्यक्रम पलाश के फूलों से होली का पर्व सत्संग भवन सिंधी धर्मशाला शास्त्री नगर, अमहिया में 8 मार्च 2026, रविवार को सुबह 10 बजे बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। पलाश के फूलों का रंग रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ाता है। गर्मी को बचाने की, सप्तरंगों व सप्तधातुओं को संतुलित करने की क्षमता पलाश में है आप लोग पलाश के पुष्पों के रंग से होली खेलना। होली के बाद सूर्य की किरणें सीधी पड़ेगी तो आपके सप्तरंग और होली के बाद सूर्य की किरणें धरती पर सीधी पड़ेंगी तो आपके सप्तरंग और सप्त धातुएँ थोड़ी कम्पायमान होगी सप्तधातु थोड़े कम्पायमान होंगे इनको संतुलित रखने के लिए पलाश के फूलों से रंग से होली खेलने की व्यवस्था थी दुर्भाग्यवश रासायनिक रंगों से जब होली खेलते हैं तो हानिकारक रसायन रोम कूपों के द्वारा प्रविष्ट हो के तुम्हारे सप्तरंगों व्यर्थ जीवन न जाये सजग रहना अगर आंखों में इन रंगों का प्रभाव ज्यादा पड़ें तो नेत्र ज्योति पर भी बुरा असर हो सकता है आप स्वास्थ्य रक्षा करना चाहें तो पलाष के फूलों से होली खेलना, रासायनिक रंगों से बचना।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष के गृह प्रवेश अवसर पर बुद्ध धाम का भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सेमरिया तहसील अंतर्गत ग्राम कपसा में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष श्री सुग्रीव सिंह अमरा के गृह प्रवेश के शुभ अवसर पर बुद्ध धाम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ इस अवसर पर बुद्ध धम्म पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें शांति, सामाजिक समरसता, समानता, करुणा और भाईचारे की भावना को केंद्र में रखते हुए तथागत बुद्ध की विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी सौहार्द, समानता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करना रहा कार्यक्रम के दौरान तथागत बुद्ध के करुणा, समानता एवं भाईचारे के संदेशों को उपस्थित जनसमूह के समक्ष सरल एवं प्रेरक शब्दों में प्रस्तुत किया गया वक्ताओं ने कहा कि बुद्ध विचारधारा आज के समय में सामाजिक एकता, शांति और समरसता स्थापित करने की दिशा में अत्यंत प्रासंगिक है इस आयोजन ने समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर आपसी सहयोग, प्रेम और सद्भाव को मजबूत करने का कार्य किया इस गरिमामय आयोजन में ग्राम अमर के मुखिया भैया लाल सिंह, बौद्धाचार्य गुरु चरण, बौद्ध श्रवण कुमार, आचार्य चंद्रशेखर, आचार्य राजेंद्र सिंह, आचार्य सुभाष पटेल, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी एडवोकेट अभिषेक गेंद्र साहू, तेजभान सिंह, साकेत, अर्जुन सिंह, देवेश सिंह, दिनेश सिंह, विजय पटेल, सीताराम सिंह, रामनरेश सिंह, चंद्रभान सिंह, महेंद्र सिंह, शिवमंगल सिंह, प्रीतू विश्वकर्मा, अजय सिंह, अनीता सिंह, अशोक सिंह, मीरा सिंह, भूपेंद्र पटेल, कुसुम कली सिंह, सुरबली सिंह, लाल बिहारी सिंह, छोटेलाल सिंह, नन्द कुमार सिंह, दलवीर सिंह, महेंद्र सिंह सहित मीडिया प्रभारी तेजभान सिंह एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक तथा हजारों की संख्या में अतिथि उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कार्यों का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ किया गया कार्यक्रम में गरिमामय वातावरण के बीच अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और प्रतिबद्धता व्यक्त की इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे सभी उपस्थितजनों ने पूर्ण अनुशासन समर्पण और गरिमा के साथ राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया सामूहिक स्वर में गूंजते राष्ट्रगान ने पूरे परिसर को राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर दिया कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय कार्यों की शुरुआत राष्ट्रभावना एकता और कर्तव्यनिष्ठा के संकल्प के साथ करना रह इस पहल के माध्यम से प्रशासन ने यह संदेश दिया कि प्रत्येक शासकीय दायित्व राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना से प्रेरित होकर निभाया जाएगा अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल प्रशासनिक कार्यों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं बल्कि कर्मचारियों में सामूहिक उत्तरदायित्व और अनुशासन की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और सम्मान के प्रति समर्पण को पुनः दोहराया गया कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र के विकास और जनसेवा के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

जय महाकाल सेवा संघ का भव्य होली मिलन समारोह, धार्मिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक व युवा जोड़ो अभियान प्रभारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। सामाजिक एवं धार्मिक संगठन जय महाकाल सेवा संघ द्वारा मनकामेश्वर महादेव कोठी शिव मंदिर, रीवा में साप्ताहिक रोटी योजना कार्यक्रम के साथ भव्य होली मिलन समारोह श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन वितरित किया गया। साथ ही सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं भजन-कीर्तन के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बनाया गया होली के पावन अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर सामाजिक समरसता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया इसी अवसर पर संगठन के युवा लीडर अमन पाण्डेय का जन्मदिवस वैदिक विधि-विधान से मनाया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की गईं कार्यक्रम के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन एवं जिला प्रभारी विनय तिवारी की अनुशंसा पर पंडित देवेंद्र मिश्रा को संगठन के धार्मिक प्रकोष्ठ का जिला संयोजक नियुक्त किया गया। उन्हें जिले भर में धार्मिक गतिविधियों के संचालन, मंदिरों एवं धार्मिक संगठनों से समन्वय स्थापित करने तथा श्रद्धालुओं को संगठन की विचारधारा से जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई इसी क्रम में अमन पाण्डेय को युवा जोड़ो अभियान का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया उन्हें जिले के युवाओं को संगठन से जोड़कर धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का दायित्व दिया गया कार्यक्रम में गायत्री परिवार रीवा से आचार्य ऋषिकेश तिवारी, गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टी देवेश मिश्रा, जिला प्रतिनिधि राजेश शर्मा सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ प्रमुख प्रभा त्रिपाठी एवं अन्य महिला पदाधिकारियों की भी सक्रिय सहभागिता रही सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया कार्यक्रम का समापन समाज सेवा, धर्म रक्षा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

किसान कल्याण वर्ष-2026 प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने जिले में व्यापक पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष* के रूप में मनाते हुए जिले में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है उप संचालक सह परियोजना संचालक आत्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के तहत सीधी जिले के 2500 किसानों का पंजीयन एम.पी. किसान पोर्टल पर किया जा चुका है उन्होंने बताया कि जिले को प्राप्त 20 प्राकृतिक खेती क्लस्टरों के संचालन हेतु 40 कृषि सखियों का चयन किया गया है ये कृषि सखियां किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों, जैविक विकल्पों तथा कम लागत वाली कृषि पद्धतियों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं किसानों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अब तक 160 जागरूकता कार्यक्रम एवं 80 उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं प्राकृतिक खेती को मजबूत आधार देने के लिए जिले में 13 बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) स्थापित किए जा रहे हैं इन केंद्रों के माध्यम से जीवामृत, घनजीवामृत, जैविक घोल एवं अन्य प्राकृतिक कृषि इनपुट स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराए जाएंगे इससे किसानों की उत्पादन लागत में कमी आएगी तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटेगी बीआरसी की स्थापना हेतु योजना अंतर्गत प्रति केंद्र एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी यह राशि 50-50 हजार रुपये की दो किस्तों में उपलब्ध कराई जाएगी।

केंद्राध्यक्ष को बचाने में जुटे जिला शिक्षा अधिकारी, बाबू के दराज में बंद हुआ निलंबन का प्रस्ताव

जिला शिक्षा अधिकारी ने जेडी के प्रताव न भेजकर जिला परियोजना समन्वयक को वापिस किया प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मामला रीवा जिला अंतर्गत कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी रीवा के बरेतीकला परीक्षा केंद्र का है जहा पर शासन के निर्देशन पर 5वी और 8वी की परीक्षा 20/02/26 से शुरू हुई थी जिसका अंतिम पेपर 28 फरवरी 2026 को था परीक्षा केंद्र का केंद्राध्यक्ष प्रधानाध्यापक वृजलाल वर्मा को बनाया गया था लेकिन बिना सूचना के प्रधानाध्यापक आदेशो को दरकिनार कर अपनी ड्यूटी में न जाकर घर मे सोते रहे और बिना केंद्राध्यक्ष के परीक्षा संचालित होती रही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्राध्यक्ष के अनुपस्थिति की सूचना जब बीआरसीसी जवा और बीइओ जवा को हुई तो बीइओ जवा द्वारा 20 फरवरी 2026 को ही जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) रीवा को निलंबन की कार्यवाही के लिए प्रस्ताव भेजा गया था जिसे डीपीसी रीवा द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी रीवा को लापरवाह प्रधानाध्यापक को निलंबन एवं दूसरे केंद्राध्यक्ष को नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया गया था लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी लापरवाह केंद्राध्यक्ष बृजलाल वर्मा के आगे बेबस दिखे और कार्यवाही करने के बजाय उक्त प्रस्ताव को पुनः डीपीसी कार्यालय रीवा को वापिस कर दिए जबकि प्रक्रिया के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी को जेडी रीवा को प्रस्ताव भेजना चाहिए लेकिन ऐसा नही किया गया खबर प्रकाशन के बाद जिला शिक्षा अधिकारी रीवा द्वारा 25 फरवरी को उक्त प्रस्ताव को पुनः जिला शिक्षा केन्द्र रीवा को वापिस किया गया।

होलीडे 2026 कार्यक्रम पर सनातन रक्षा मंच की आपत्ति, प्रशासन से कड़ी निगरानी, अश्लीलता पर रोक और सुरक्षा की मांग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। होली पर्व पर प्रस्तावित होलीडे 2026 कार्यक्रम को लेकर सनातन रक्षा मंच महाकौशल प्रांत, विभाग ने कड़ा विरोध जताया है। संगठन ने जिला पुलिस अधीक्षक सिंगरौली (मध्य प्रदेश) को ज्ञापन सौंपकर कार्यक्रम में संभावित अशोभनीय गतिविधियों पर रोक लगाने और विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है ज्ञापन में कहा गया है कि होली भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है संगठन ने चिंता व्यक्त की है कि चुंनकुमारी स्टेडियम के समीप आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में टिकट आधारित प्रवेश, डीजे, मदिरापान और कथित अश्लील गतिविधियों से सामाजिक वातावरण प्रभावित हो सकता है सनातन रक्षा मंच का आरोप है कि इस प्रकार के आयोजनों से सनातन परंपराओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है और समाज में गलत संदेश जाता है उन्होंने प्रशासन से समय रहते हस्तक्षेप कर कार्यक्रम की निगरानी करने की अपील की है संगठन के राहुल शाह ने 4 मार्च को प्रस्तावित आयोजन के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, डीजे व अन्य गतिविधियों पर नियंत्रण रखने और किसी भी प्रकार की अश्लीलता पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की ज्ञापन सौंपने वालों में राहुल शाह, जितेंद्र (दीपेंद्र) सिंह, बृजेंद्र कुशवाहा, विकेश जायसवाल, अमित सोनी और रोहित शामिल थे। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर अमल नहीं किया गया तो विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें :अर्थव्यवस्था व विदेश नीति होगी प्रभावित

संपादकीय

'समरथ को नहिं दोष गुसाई' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्त्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति शृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्त्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।

निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्त्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी।

जैव विविधता की रक्षा या विकास की अंधी दौड़

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

(3 मार्च विश्व वन्य जीव दिवसः पर विशेष)

विश्व वन्य जीव दिवस केवल एक औपचारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है। वर्ष 2013 में युनाइटेड नेशन जनरल एसेंबली ने इस दिवस की घोषणा की, ताकि वैश्विक स्तर पर वन्य जीवों और वनस्पतियों के संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया जा सके। यह दिन हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी केवल मनुष्यों की नहीं, बल्कि करोड़ों अन्य जीवों की भी साझी धरोहर है।

वन्य जीव किसी पर्यटन आकर्षण या जंगल की शोभा मात्र नहीं हैं। वे पारिस्थितिकी तंत्र के स्तंभ हैं। परागण करने वाले कीट, बीजों का प्रसार करने वाले पक्षी, जंगलों को संतुलित रखने वाले शिकारी जीव ये सभी प्राकृतिक चक्र को संचालित करते हैं।

यदि खाद्य श्रृंखला की एक कड़ी भी कमजोर पड़ती है, तो उसका प्रभाव व्यापक होता है। उदाहरण के लिए, यदि शीर्ष शिकारी कम हो जाएँ, तो शाकाहारी प्रजातियाँ बढ़ेंगी, जिससे वनस्पति पर दबाव बढ़ेगा और अंततः पारिस्थितिकी असंतुलित हो जाएगी।वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि वर्तमान समय में जैव विविधता पर अभूतपूर्व संकट मंडरा रहा है। जलवायु परिवर्तन, अवैध शिकार, आवास विनाश और प्रदूषण के कारण अनेक प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं।

भारत विश्व के उन देशों में है जहाँ जैव विविधता अत्यंत समृद्ध है। यहाँ बाघ, एशियाई हाथी, एक-सींग वाला गैंडा, हिम तेंदुआ, और असंख्य पक्षी प्रजातियाँ पाई जाती हैं।वन्यजीव संरक्षण के लिए 1972 का वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू किया गया और अनेक राष्ट्रीय उद्यान तथा अभयारण्य स्थापित किए गए। 'प्रोजेक्ट टाइगर' जैसी योजनाओं ने सकारात्मक परिणाम भी दिए हैं।किन्तु दूसरी ओर, तेजी से बढ़ती आबादी, शहरीकरण, सड़क और रेल परियोजनाएँ, खनन और औद्योगिक विस्तार वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास को खंडित कर रहे हैं।मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएँ बढ़ रही हैं, जो संरक्षण की जटिलता को दर्शाती हैं।

आर्थिक विकास प्रत्येक राष्ट्र की आवश्यकता है, परंतु प्रश्न यह है कि क्या विकास प्रकृति की कीमत पर होना चाहिए? 'सतत विकास' की अवधारणा इसी संतुलन पर आधारित है। यदि परियोजनाओं की योजना पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के साथ बने, यदि वन क्षेत्र की क्षति की भरपाई प्रभावी वृक्षारोपण और संरक्षण से हो, और यदि स्थानीय समुदायों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए, तो विकास और संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय सदियों से प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का जीवन जीते आए हैं। उनका पारंपरिक ज्ञान जंगलों की रक्षा, जल स्रोतों का संरक्षण, और जीवों के प्रति संवेदनशीलता आज के संरक्षण प्रयासों के लिए प्रेरणा है।जब तक स्थानीय समुदायों को संरक्षण का भागीदार नहीं बनाया जाएगा, तब तक नीतियाँ कागजों से आगे नहीं बढ़ पाएँगी। बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा और प्राकृतिक आपदाओं ने वन्य जीवों के आवास को प्रभावित किया है। कई प्रजातियाँ अपने पारंपरिक क्षेत्रों से पलायन को मजबूर हैं। समुद्री जीवों पर प्लास्टिक प्रदूषण और महासागरीय ताप वृद्धि का गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि मानवीय संकट भी है क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों का असंतुलन अंततः मानव जीवन को भी प्रभावित करता है। विश्व वन्य जीव दिवस हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हम अपने उपभोग और जीवनशैली में पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं? प्लास्टिक का सीमित उपयोग, वन उत्पादों का विवेकपूर्ण उपभोग, अवैध वन्यजीव व्यापार का विरोध, और पर्यावरणीय अभियानों में सहभागिता ये छोटे कदम भी बड़े परिवर्तन ला सकते हैं।

भविष्य की जिम्मेदारी-वन्य जीवों का संरक्षण केवल कानूनों और अभियानों तक सीमित नहीं रह सकता। यह हमारे नैतिक दृष्टिकोण का प्रश्न है। यदि पृथ्वी की जैव विविधता समाप्त होती है, तो मानव सभ्यता भी सुरक्षित नहीं रह सकती।विश्व वन्य जीव दिवस हमें चेतावनी देता है कि समय तेजी से बीत रहा है। विकास की अंधी दौड़ में यदि हमने प्रकृति को खो दिया, तो प्रगति का अर्थ ही समाप्त हो जाएगा।प्रकृति का संरक्षण दरअसल अपने अस्तित्व की रक्षा है।और यही इस दिवस का सबसे बड़ा संदेश है।

मध्य पूर्व में विस्फोटक मोड़- ईरान पर अमेरिका- इजरायल के संयुक्त हमले,खामेनेई की मृत्यु और वैश्विक भू-राजनीति का नया संकट पश्चिम एशिया में शक्ति-संतुलन अत्यंत नाजुक है,एक उच्च- प्रोफ़ाइल लक्षित कार्रवाई पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकती है, आने वाले सप्ताह निर्णायक होंगे - वैश्विक स्तरपर रविवार 1 मार्च 2026 को मध्य-पूर्व और विश्व राजनीति में जिस खबर ने भू-राजनीतिक हलचल मचा दी, वह थी अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर संयुक्त हवाई हमले, जिन्हें 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' और 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' (शेर की दहाड़) नाम दिया गया,उसने वैश्विक शक्ति संतुलन को झकझोर दिया। इन हमलों में ईरान के सैन्य अड्डों और रणनीतिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु की खबर ने पूरे विश्व को स्तब्ध कर दिया।

अमेरिका-इज़रायल के कथित संयुक्त ऑपरेशन एपिक फ्यूरी/रोरिंग लायन और ईरान के सर्वोच्च नेता की मृत्यु

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

यह परिदृश्य तथ्यात्मक रूप से स्थापित हों गया है,यह केवल एक सैन्य घटना नहीं बल्कि एक युगांतकारी राजनीतिक परिवर्तन होगा।इतिहास कभी-कभी ऐसे मोड़ों पर आकर ठहर जाता है जहाँ घटनाएँ केवल क्षेत्रीय नहीं रहतीं, बल्कि पूरी मानव सभ्यता की दिशा बदलने की क्षमता रखती हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आधिकारिक पुष्टि, प्रतिपुष्टि और दावों-प्रतिदावों के बीच यह घटना केवल एक व्यक्ति के निधन का प्रश्न नहीं है;यह पश्चिम एशिया की शक्ति-संतुलन संरचना, इस्लामी जगत की राजनीति,ऊर्जा बाज़ार, समुद्री व्यापार मार्गो,परमाणु प्रसार और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव डालने वाली संभावित भू-राजनीतिक भूकंप रेखा है। ईरान के सर्वोच्च नेता की भूमिका केवल धार्मिक या प्रतीकात्मक नहीं,बल्कि राज्य की सामरिक- राजनीतिक दिशा, क्षेत्रीय नेटवर्क और सुरक्षा सिद्धांत के केंद्र में रही है। इसलिए इस घटना के प्रभावों का आकलन बहु-स्तरीय दृष्टिकोण से करना आवश्यक है।सबसे पहले, पश्चिम एशिया के सामरिक परिदृश्य को समझना होगा। इज़रायल और संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से ईरान की क्षेत्रीय नीति,विशेषकर लेबनान, सीरिया, इराक और यमन में उसके प्रभाव को अपनी सुरक्षा के लिए चुनौती मानते रहे हैं। यदि कथित ऑपरेशन वास्तव में हुआ और उसके परिणामस्वरूप ईरान के सर्वोच्च नेता की मृत्यु हुई,तो यह केवल टारगेटेड स्ट्राइक नहीं बल्कि प्रतिरोध-धुरी के वैचारिक और संगठनात्मक केंद्र पर सीधा प्रहार माना जाएगा। इसका तत्काल प्रभाव ईरान के भीतर राजनीतिक स्थिरता और सत्ता-हस्तांतरण प्रक्रिया पर पड़ेगा। ईरान की संवैधानिक व्यवस्था के तहत विशेषज्ञों की परिषद नए सर्वोच्च नेता का चयन करती है, परंतु संक्रमण काल में अस्थिरता शक्ति-संघर्ष और सुरक्षा बलों की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

साथियों बात अगर हम अरब देशों और खाड़ी क्षेत्र की प्रतिक्रिया को समझने की करें तो स्वाभाविक रूप से सतर्क और संतुलित रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और क़तर जैसे देश पिछले कुछ वर्षों में ईरान के साथ संवाद और तनाव-प्रबंधन की दिशा में कदम बढ़ा रहे थे। वे प्रत्यक्ष युद्ध या व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष से बचना चाहते हैं क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था ऊर्जा निर्यात, वैश्विक निवेश और स्थिरता पर निर्भर है। यदि ईरान में सत्ता- संतुलन अस्थिर होता है या प्रतिशोधी हमलों की श्रृंखला शुरू होती है,तो खाड़ी के तेल-गैस प्रतिष्ठान, समुद्री मार्ग और ड्रोन/मिसाइल हमलों के खतरे में आ सकते हैं। 2019 में सऊदी तेल प्रतिष्ठानों पर हमलों की स्मृति अभी ताज़ा है; इसलिए खाड़ी देश खुली प्रतिक्रिया देने के बजाय बैक-चैनल कूटनीति को प्राथमिकता देंगे।इस्लामी जगत की व्यापक प्रतिक्रिया भी बहुस्तरीय होगी। इस्लामी सहयोग संगठन के सदस्य देशों के बीच ईरान को लेकर मतभेद हैं,कुछ देश उसे शिया नेतृत्व के रूप में देखते हैं,कुछ क्षेत्रीय शक्ति- प्रतिस्पर्धी के रूप में। फिर भी किसी संप्रभु देश के सर्वोच्च नेता की लक्षित हत्या का आरोप अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के प्रश्न उठाता है। ओआईसी के मंच पर कड़ी शब्दावली के प्रस्ताव आ सकते हैं,परंतु सामूहिक सैन्यप्रतिक्रिया की संभावना कम है। अधिक संभावना यह है कि सदस्य देश शांति-आह्वान, संयम और संयुक्त राष्ट्र में बहस की दिशा में आगे बढ़ें।

साथियों बात अगर हम भारत के लिए इस स्थिति को समझने की करें तो,यह संकट केवलआर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक और मानवीय आयाम भी रखता है। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं।संयुक्त अरब अमीरात, कतर, ओमान और सऊदी अरब में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं।यही कारण है कि भारत सरकार ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्कता बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। यह कदम बताता है कि स्थिति केवल सैन्य नहीं बल्कि नागरिक सुरक्षा का भी प्रश्न बन चुकी है। यदि संघर्ष बढ़ता है, तो भारत को ऑपरेशन राहत जैसे निकासी अभियानों क़ी पुनरावृत्ति करनी पड़ सकती है।

तो वहीं शिक्षा क्षेत्र पर भी इस संकट का प्रभाव दिखाई दे रहा है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) द्वारा मध्य पूर्व के कई देशों में 10वीं और 12वीं की परीक्षाएँ स्थगित करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय अस्थिरता अब नागरिक जीवन के मूल ढांचे को प्रभावित कर रही है। यूएई, कतर और ओमान में हजारों भारतीय छात्र सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में पढ़ते हैं। परीक्षा स्थगन केवल शैक्षणिक निर्णय नहीं, बल्कि सुरक्षा प्राथमिकता का संकेत है। यह बताता है कि संघर्ष का प्रभाव सीमाओं से परेसामाजिक ताने-बाने तक पहुँच चुका है। यह ऊर्जा-आयातक भी हैं और पश्चिम एशिया में बड़े प्रवासी समुदाय रखते हैं, संतुलित कूटनीति आवश्यक होगी। भारत पारंपरिक रूप से सभी पक्षों के साथ संवाद बनाए रखने की नीति अपनाता रहा है। तेल-आपूर्ति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा प्राथमिकता होगी। एशियाई शक्तियाँ व्यापक युद्ध से बचाव चाहेंगी क्योंकि उनकी आर्थिक वृद्धि वैश्विक स्थिरता पर निर्भर है। साथियों बात अगर हम वैश्विक स्तरपर प्रश्न उठने को समझने की करें तो क्या यह घटना राज्य-प्रायोजित लक्षित हत्या की नई मिसाल बनेगी? यदि यह सिद्ध होता है कि अमेरिका- इज़रायल ने संयुक्त अभियान में ऐसा किया, तो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और क्षेत्रीय स्थिरता के सिद्धांतों पर व्यापक बहस होगी। यूरोपीय शक्तियाँ जैसे फ्रांस,जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम संयम और कूटनीतिक समाधान पर ज़ोर देंगी। रूस और चीन इस घटना को अमेरिकी-पश्चिमी हस्तक्षेप वाद के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं और ईरान के साथ सामरिक-आर्थिक सहयोग बढ़ाने का अवसर देख सकते हैं। इससे वैश्विक शक्ति-ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है।

साथियों बात अगर हम ऊर्जा बाज़ार पर प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण होगा इसको समझने की करें तो, ईरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य के निकट स्थित है, जहाँ से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि प्रतिशोध में ईरान या उससे संबद्ध समूह इस समुद्री मार्ग को बाधित करने की कोशिश करते हैं, तो तेल की कीमतों में तीव्र उछाल संभव है। इससे वैश्विक मुद्रास्फीति, विकास दर और आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। भारत, चीन, यूरोप और अन्य आयातक देश ऊर्जा-सुरक्षा की वैकल्पिक रणनीतियाँ सक्रिय करेंगे। समुद्री बीमा प्रीमियम बढ़ सकते हैं, नौसैनिक तैनाती बढ़ सकती है और व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है।सुरक्षा दृष्टि से सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या संघर्ष सीमित रहेगा या व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है। ईरान के पास पारंपरिक सैन्य क्षमताओं के साथ-साथ ड्रोन, मिसाइल और क्षेत्रीय सहयोगी नेटवर्क हैं। लेबनान में, सीरिया में, इराक में और यमन में सक्रिय समूह संभावित प्रतिशोधी कार्रवाई कर सकते हैं। इज़रायल पहले से ही बहु- मोर्चीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करता रहा है; ऐसे में उत्तरी, दक्षिणी और साइबर मोर्चों पर तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका की क्षेत्रीय सैन्य उपस्थिति विशेषकर खाड़ी में नौसैनिक ठिकाने,उच्च सतर्कता पर रहेंगे। यदि प्रत्यक्ष अमेरिकी-ईरानी मुठभेड़ होती है, तो यह 2020 में जनरल क़ासिम सुलेमानी की हत्या के बाद के संकट से कहीं अधिक व्यापक हो सकती है।

साथियों बात अगर हम यह संघर्ष कब तक चलेगा?इसको समझने की करें तो इस प्रश्न का उत्तर कई कारकों पर निर्भर है। पहला,ईरान के भीतर सत्ता- हस्तांतरण कितना सुचारु होता है। यदि नया नेतृत्व त्वरित और संगठित रूप से उभरता है, तो वह रणनीतिक धैर्य दिखाते हुए सीमित प्रतिशोध याप्रतीकात्मक प्रतिक्रिया के बाद कूटनीतिक मार्ग चुन सकता है।दूसरा, अमेरिका- इज़रायल की रणनीति क्या है?,क्या यह एकबारगी ऑपरेशन था या व्यापक अभियान का हिस्सा? तीसरा, मध्यस्थता की संभावनाएँ, क्या क्षेत्रीय शक्तियाँ या संयुक्त राष्ट्र सक्रिय भूमिका निभाते हैं? चौथा, घरेलू राजनीति– अमेरिका, इज़रायल और ईरान में जनमत और चुनावी गणनाएँ निर्णयों को प्रभावित करेंगी?क्या यह और बढ़ेगा? जोखिम अवश्य है। यदि किसी भी पक्ष की प्रतिक्रिया में नागरिक हताहत बढ़ते हैं या पवित्र स्थलों/रणनीतिक प्रतिष्ठानों पर हमले होते हैं, तो जनभावनाएँ उग्र हो सकती हैं। सोशल मीडिया और सूचना-युद्ध भी तनाव को भड़का सकते हैं। साइबर हमले, वित्तीय प्रतिबंधों की तीव्रता, और प्रॉक्सी संघर्षों का विस्तार ये सभी ग्रे-ज़ोन युद्ध के तत्व हैं जो बिना औपचारिक युद्ध-घोषणा के लंबे समय तक चल सकते हैं। ऐसी स्थिति महीनों या वर्षों तक अस्थिरता बनाए रख सकती है, भले ही पूर्ण-स्तरीय युद्ध न हो।

साथियों बात अगर हम इस परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख शक्तियों की भूमिका निर्णायक है इसको समझने की करें तो, सुरक्षा परिषद में आपात बैठकें, स्वतंत्र जांच की मांग, और युद्धविराम के प्रस्ताव सामने आ सकते हैं। परंतु वीटो-राजनीति के कारण ठोस कार्रवाई कठिन हो सकती है। क्षेत्रीय स्तर पर ओमान, क़तर या तुर्की जैसे देश मध्यस्थता की कोशिश कर सकते हैं। बैक- चैनल संवाद, कैदियों की अदला- बदली, और समुद्री सुरक्षा समझौते तनाव कम करने के सटीक उपकरण बन सकते हैं। वहीं वैचारिक और मनोवैज्ञानिक आयाम भी महत्वपूर्ण हैं। ईरान के भीतर यह घटना शहादत के आख्यान के रूप में प्रस्तुत की जा सकती है, जिससे राष्ट्रीय एकता और प्रतिरोध की भावना मजबूत हो। दूसरी ओर, यदि जनता आर्थिक दबावों और युद्ध-जोखिम से चिंतित है, तो वे स्थिरता और कूटनीति की मांग कर सकते हैं। इज़रायल और अमेरिका में भी सुरक्षा-आधारित तर्क और अंतरराष्ट्रीय कानून- आधारित आलोचना के बीच बहस तेज होगी। यह बहस वैश्विक स्तर पर लक्षित हत्याओं, ड्रोन-युद्ध और संप्रभुता के सिद्धांतों पर नए मानदंड तय कर सकती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह संकट हमें याद दिलाता है कि पश्चिम एशिया में शक्ति- संतुलन अत्यंत नाजुक है। एक उच्च-प्रोफ़ाइल लक्षित कार्रवाई पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकती है। आने वाले सप्ताह निर्णायक होंगे,क्या प्रतिक्रियाएँ सीमित और नियंत्रित रहेंगी, या प्रतिशोध-चक्र तेज होगा। यदि कूटनीति सक्रिय और समन्वित रही, तो यह संकट सीमित अवधि में नियंत्रित हो सकता है। यदि भावनाएँ और रणनीतिक गलत-आकलन हावी हुए, तो यह लंबा, बहु-स्तरीय और वैश्विक प्रभाव वाला संघर्ष बन सकता है।विश्व नेताओं की सतर्क प्रतिक्रियाएँ संकेत देती हैं कि सभी पक्ष जोखिमों से अवगत हैं। ऊर्जा-बाज़ार, समुद्री व्यापार, परमाणु प्रसार, और क्षेत्रीय प्रॉक्सी-नेटवर्क इन सबके कारण यह केवल क्षेत्रीय घटना नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा का प्रश्न है। इसलिए आने वाले दिनों में संयम, संवाद और बहुपक्षीय कूटनीति ही वह मार्ग है जो इस संभावित संकट को व्यापक युद्ध में बदलने से रोक सकता है। पश्चिम एशिया की स्थिरता केवल स्थानीय मुद्दा नहीं; यह वैश्विक शांति, आर्थिक संतुलन और अंतरराष्ट्रीय कानून की विश्वसनीयता की कसौटी भी है।

तेरी होली मैं मनाऊं, मेरी ईद तू मना ले !

ये सुखद संयोग ही है कि इस बार रंगों का पर्व होली और भाईचारे-सदभाव का त्यौहार ईद एक ही महीने में पड़ रहे हैं। एक ओर जहां देश भर में होली पर उत्साह रहेगा वहीं सेवईयों की मिठास भी घुलेगी। बात करें होली की तो महज होली का नाम या शब्द आते ही जहन में उल्लास, उमंग और रंगों की अनुभूति होने लगती है। रंगों का ये पर्व भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाया जाता है। होली का नाम लेते ही रगों में उन्मादित खुशी दौड़ जाती है। लोग गिले-शिकवे भूलकर एक दूसरे पर खूब रंग लगाते हैं। लेकिन ये कम ही लोग जानते है

मुस्ताअली बोहरा

जब फागुन रंग झमकते हों, तब देख बहारें होली की होली पर किसी ने क्या खूब लिखा है..... आ मिटा दें दिलों पे जो स्याही आ गई है,
तेरी होली मैं मनाऊं, मेरी ईद तू मना ले !

हिन्दु और मुसलमान दोनों ही होली पर खूब जश्न मनाते थे। मुगल काल के दौरान ज्यादातर बादशाह होली की तैयारियां करवाते थे। मुगल काल में भी धूमधाम से होली जाती थी। बरसों से चली आ रही ये परंपरा आज भी कायम है। इतना ही नहीं हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह और वारिस पिया की दरगाह और वारसी सिलसिले के अन्य खानकाहों में होली पर अमीर खुसरों के लिखा रंग बड़े अदब से गाया जाता है।

बादशाह अकबर, हुमायूँ, जहाँगीर, शाहजहाँ और बहादुर शाह जफर भी होली आने के कुछ दिन पहले ही तैयारियाँ प्रारंभ करवा देते थे। बादशाह अकबर के महल में सोने चाँदी के बड़े-बड़े बर्तनों में केवड़े और केसर से युक्त टेसू का रंग घोला जाता था और राजा अपनी बेगम और हरम की सुंदरियों के साथ होली खेलते थे। कहा जाता है कि होली का त्योहार मुगल शासक अकबर को भी काफी प्रिय था। इतिहासकारों का कहना है कि अकबर पर उसकी हिंदू रानी जोधा या हरका बाई का अत्यधिक प्रभाव था। यही वजह है कि अकबर बड़े उत्साह और शौक से होली खेलते थे। अब्दुल रहीम खानखाना और मुस्लिम कवि रसखान दोनों ही कृष्ण भक्त थे, दोनों को होली का इंतजार रहता था। अकबर के शासन काल में शाम को महल में उम्दा ठंडाई, मिठाई और पान इलायची से मेहमानों का स्वागत किया जाता था और मुशायरे, कव्वालियों और नृत्य-गानों की महफिलें जमती थीं। जहाँगीर के समय में महफिल-ए-होली का भव्य कार्यक्रम होता था। शाहजहाँ तो होली को ईद गुलाबी के रूप में धूमधाम से मनाते थे। बहादुर शाह जफर भी होली खेलने के शौकीन थे। बहादुर शाह जफर शायर भी थे, होली को लेकर उनकी काव्य रचनाएँ आज तक सराही जाती हैं। मुगल काल में होली के अवसर पर लाल किले के पीछे यमुना नदी के किनारे आम के बाग में होली के मेले लगते थे। यहां आसपास के गांवों और कस्बों के लोग शामिल होते थे। बीजापुर सल्तनत के राजा इब्राहिम आदिल शाह और वाजिद अली शाह होली के समय मिठाइयां, ठंडाई बांटा करते थे। उर्दू अखबार जाम-ए-जहांनुमा (1844) के मुताबिक, मुगलकाल में होली के समय बहादुर शाह जफर होली के जश्न के लिए खास तैयारियां करते थे। अमीर खुसरो (1253-1325), इब्राहिम रसखान (1548-1603), नजीर अकबराबादी (1735-1830), महजूर लखनवी (1798-1818), शाह नियाज (1742-1834) की रचनाओं में गुलाबी त्यौहार के रूप में होली का जिक्र मिलता है। जहांगीर की ऑटोबायोग्राफी तुज्क-ए-जहांगीरी में जिक्र मिलता है कि होली के समय जहांगीर महफिल का आयोजन किया करते थे। जहांगीर के मुंशी जकाउल्लाह अपनी किताब तारीख-ए-हिंदुस्तानी में लिखते हैं कि होली हिंदु, मुसलमान, अमीर, गरीब सब मिलकर मनाते हैं। लखनऊ के शासक नवाब सआदत अली खान और आसिफुद्दौला होली की तैयारियों और जश्न में अच्छा खासा पैसा खर्च करते थे। मशहूर कवि मीर तकी मीर (1723-1810) में नवाब आसिफुद्दौला के होली खेलने पर होरी गीत लिखा था। मुगलों के शासन में होली का उत्साह किस कदर होता था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुगल काल के चित्रकार भी होली के चित्र उकेरते थे। अकबर के जोधाबाई और जहांगीर के नूरजहां के साथ होली खेलने की तस्वीरें आ चुकी हैं। बहुत से मुस्लिम कवियों ने भी अपनी कविताओं में मुगल शासकों के अपनी बेगमों और आवाम के साथ होली खेलने का वर्णन किया है। इनमें अमीर खुसरो, इब्राहिम रसखान, महजूर लखनवी, शाह नियाज और नजीर अकबराबादी जैसे नाम मुख्य है। मुगल शासकों के दौर में होली के लिए फूलों से रंग तैयार किया जाता था। लाल टेसू के फूल कई दिनों पहले से इकट्ठा कर उन्हें उबालकर ठंडा करके पिचकारियों या हौद में भरा जाता था। होली के दिन हौद में फूलों का रंग और गुलाब जल भर दिया जाता था। सुबह से ही होली का जश्न शुरू हो जाता था। बादशाह पहले बेगमों और फिर प्रजा के साथ रंग खेलते थे। महल के पास एक जगह लगातार गुलाब जल और केवड़ा जैसे इत्र से सुगंधित फौवारे चलते रहते थे। अमीर खुसरो ने कई सूफियाना गीत लिखे। इनमें आज रंग है री, आज रंग है, मोरे ख्वाजा के घर आज रंग है, आज भी न सिर्फ होली, बल्कि आम मौकों पर भी सुना जाता है। कहा जाता है कि जिस दिन अमीर खुसरो अपने पीर हजरत निजामुद्दीन औलिया के शिष्य बने, वो दिन होली का ही था। उस दौरान ही उन्होंने औलिया की तारीफ में आज रंग है... लिखा था। खुसरो ने अपनी मां के सामने औलिया की तारीफ में राग बहार में गाया था। इतिहास के पहले धर्मनिरपेक्ष माने जाने वाले सूफी संत निजामुद्दीन औलिया ने सबसे पहले अपने मठ में होली का जश्न मनाया। इसके बाद से ये सूफी संतों का पसंदीदा त्योहार बन गया। आज भी होली सूफी कल्चर का हिस्सा है और हर तीर्थ पर सालाना जलसे के आखिरी रोज रंग पर्व मनाया जाता है। हालांकि मुगलिया सल्तनत के खात्मे के साथ होली पर हिंदू-मुस्लिमों के इकट्ठा होने और साथ रंग खेलने का रिवाज कम होता चला गया। लेकिन आज भी राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर होली के गीत या फाग गाए जाते हैं।

खुसरो ने लिखा..... 'हालात-ए कन्हैया' -
आज रंग है, ऐ मा रंग है री, मोरे महबूब के घर रंग है री।
मोहे पीर पायो निजामुद्दीन औलिया, जब देखो मोरे संग है री।

हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह में अमीर खुसरो की यह रचना अदबो-एहतराम के साथ गाई जाती है। सिर्फ अमीर खुसरो ही नहीं बल्कि कई सूफी संतों और शायरों-कवियों ने होली पर गीत, गजल, ठुमरी और शायरी लिखी है। हजरत निजामुद्दीन औलिया के मुरीद, शायर, प्रसिद्ध सूफी संत और कवि अमीर खुसरो ने सूफी मत परंपरा से बसंत और होली का त्योहार मनाने के रिवाज की शुरूआत की। कहा जाता है कि एक बार हजरत निजामुद्दीन को भगवान कृष्ण ने सपने में दर्शन दिए। तब उन्होंने खुसरो को बुलाकर श्रीकृष्ण पर हिंदवी जोकि उस समय की लोक भाषा थी, उस पर दीवान लिखने को कहा। तब खुसरो ने हजरत के लिए 'हालात-ए कन्हैया' नामक हिंदवी में दीवान लिखा। इसमें खुसरो ने श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन के साथ होली गीत भी लिखे और इन्हीं गीतों को गाकर वे हजरत के साथ होली खेला करते थे। हालात-ए-कन्हैया अमीर खुसरो द्वारा रचित एक महत्वपूर्ण साहित्यिक कृति है, जिसमें उन्होंने श्री कृष्ण की जीवनी और महिमा का वर्णन किया है। यह रचना खुसरो की साझी संस्कृति (गंगा-जमुनी तहजीब) के प्रति प्रेम और कृष्ण के प्रति उनकी श्रद्धा को दर्शाती है। इसमें कृष्ण के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं का विवरण हिंदी और फारसी मिश्रित भाषा में मिलता है। यह रचना भारतीय संस्कृति में मुस्लिम कवियों द्वारा हिंदू देवी-देवताओं के चित्रण की एक मिसाल है। इसमें अमीर खुसरो ने अपनी विशिष्ट शैली का प्रयोग करते हुए कृष्ण की लीलाओं को भावनात्मक रूप से प्रस्तुत किया है।

सागौन तस्करी में पकड़ाई पूर्व जनपद पंचायत सदस्य की गाड़ी

एसटीआर की टीम को देख गाड़ी छोड़कर भागे तस्कर

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सेमरी हरचंद क्षेत्र में ग्राम खापा के पास सागौन तस्करी करते हुए एक पिकअप वाहन को पकड़ा गया सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बागड़ा बफर और कामती रेंज के स्टाफ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वाहन से 17 नग सागौन के लट्ठे जब्त किए हैं टीम को देखकर चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया। मामले में एसटीआर की टीम जांच में जुटी है एसटीआर क्षेत्र संचालक एवं उप संचालक के निर्देश पर वन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए बागड़ा बफर एवं कामती वन परिक्षेत्र की टीम द्वारा होली पर्व के पूर्व सामूहिक गश्ती और सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है रेंजर विलास डोंगरे ने बताया कि रविवार रात ढाबा से सेमरी हरचंद मार्ग पर वनग्राम खापा के पास टीम चेकिंग कर रही थी इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप वाहन को जांच के लिए रोका गया जांच के दौरान चालक अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर मौके से भाग गया टीम ने जब वाहन की तलाशी ली तो उसमें 17 नग सागौन के लट्ठे रखे मिले जिनकी अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपए बताई जा रही है कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन को जब्त कर गांव के ही एक ट्रैक्टर से टोचन कर वनरक्षक निवास खापा कैम्प लाया गया यहां प्रकरण तैयार कर वाहन को राजसात करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में वाहन द्वारा ग्राम मगरिया से सागौन लट्ठे लाना पाया गया जो सामान्य वनमंडल क्षेत्र के अंतर्गत आता है रेंजर डोंगरे के अनुसार जब्त महिंद्रा पिकअप वाहन क्रमांक 6388 पूर्व जनपद सदस्य रामस्वरूप धुर्वे निवासी मगरिया के नाम पर पंजीकृत है पूरे मामले में एसटीआर की टीम द्वारा विस्तृत जांच की जा रही है कार्रवाई में वनकर्मी लक्ष्मीप्रसाद नागवंशी, नरपत सिंह (कार्यवाहक वनपाल), शैलेन्द्र रघुवंशी, ललित सूर्यवंशी, रवि चन्द्रवंशी और हेमंत शाह धुर्वे सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

बजरंग दल नेता की कार में तोड़फोड़ पर विवाद

छात्रों की माताओं ने एसपी से की निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। देहात थाना क्षेत्र में एक कार में हुई तोड़फोड़ का मामला अब गरमा गया है हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी (आर.के. पुरम) निवासी दो छात्रों की माताओं ने पुलिस अधीक्षक एसपी कार्यालय पहुंचकर अपने बेटों के खिलाफ दर्ज मामले में निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई है माताओं का आरोप है कि बजरंग दल नेता की कार में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने राजनीतिक प्रभाव के चलते एकतरफा कार्रवाई करते हुए उनके बेटों पर कठोर धाराओं में केस दर्ज किया है। माताओं ने एसपी कार्यालय में बताया कि उनके बेटे दिव्यम सैनी (बी.ए. प्रथम वर्ष का छात्र) और आशुतोष लोधी (इंजीनियरिंग छात्र) घटना की रात एक साथ थे उन दोनों पर बजरंग दल के विभाग संयोजक उपेंद्र यादव की कार में तोड़फोड़ करने का गंभीर आरोप लगाया गया है इस पूरे घटनाक्रम को लेकर शिवपुरी के देहात थाने में अपराध क्रमांक 75/2026 दर्ज किया गया है। बिना पूरी जांच किए हिरासत में लिए गए छात्र, नहीं सुनी गई बात आरोपी छात्रों की माताओं का सीधा आरोप है कि इस मामले में राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की है और बहुत ही कठोर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर दिया है उनका यह भी कहना है कि पुलिस ने घटना की पूरी और निष्पक्ष जांच किए बिना ही दोनों युवा छात्रों को आनन-फानन में हिरासत में ले लिया और उनके परिवार का पक्ष ठीक से सुना ही नहीं गया इन आरोपों के साथ माताओं ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए इसके साथ ही उन्होंने केस डायरी किसी अन्य जांच अधिकारी को सौंपने का भी आग्रह किया है माताओं ने अपनी शिकायत में यह गुहार भी लगाई है कि यदि इस पूरी जांच प्रक्रिया में पुलिस की ओर से कोई त्रुटि या लापरवाही हुई है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए।

युवती ने बच्चे को जन्म दिया, दुष्कर्म का मामला उजागर 9 माह बाद आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। भौती थाना क्षेत्र (खोड़ चौकी) में दुष्कर्म का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सगाई कर चुकी एक 20 वर्षीय युवती ने 27 फरवरी को पिछोर स्वास्थ्य केंद्र में एक बच्चे को जन्म दिया तब जाकर 9 महीने पुराने रेप के मामले का खुलासा हुआ पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 23 वर्षीय आरोपी राहुल लोधी को गिरफ्तार कर लिया है जो खुद पहले से शादीशुदा है और दो बेटियों का पिता है पीड़िता के अनुसार, लगभग 9 माह पूर्व आरोपी ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था चूंकि युवती की सगाई पहले ही हो चुकी थी इसलिए सामाजिक बदनामी और रिश्ता टूटने के डर से उसने यह बात अपने परिजनों से भी छिपाकर रखी थी गर्भावस्था और 27 फरवरी को बच्चे के जन्म की बात सामने आने के बाद परिजनों को इस पूरी घटना की जानकारी हुई और मामला पुलिस तक पहुंचा मामला उजागर होने के बाद युवती ने खोड़ चौकी (थाना भौती) में उपस्थित होकर आरोपी राहुल लोधी के खिलाफ दुष्कर्म की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपराध क्रमांक 51/2026 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(1), 64(2)(एम), 351(3) के तहत मामला दर्ज कर तुरंत अपनी जांच शुरू कर दी।

100 जगहों पर जलाई जाएगी होली लकड़ी की जगह कंडों से होली जलाने वाली संस्थाएं होंगी सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। होली पर्व के मद्देनजर शिवपुरी में पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। सोमवार शाम होलिका दहन से पहले शहर में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया इस फ्लैग मार्च में पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, एडिशनल एसपी संजीव मुले, एसडीओपी संजय चतुर्वेदी सहित कोतवाली, देहात, फिजिकल, अजाक और महिला थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ शामिल हुए यह मार्च शहर के प्रमुख मार्गों, मुख्य बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि होली के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या शांति भंग करने के प्रयास को सख्ती से रोका जाएगा। शहर के प्रमुख चौराहों और होलिका दहन स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बल भी तैनात किया जाएगा शहर सहित पूरे अंचल में सोमवार को सूर्यास्त के बाद होलिका दहन का शुभ मुहूर्त शुरू होगा यह मुहूर्त रात लगभग 12 बजे तक रहेगा परंपरा के अनुसार प्रदोष काल में पूजा-अर्चना के बाद होलिका दहन किया जाएगा इस दौरान भद्रा काल नहीं रहेगा जिससे श्रद्धालुओं को कोई बाधा नहीं होगी शहर में लगभग एक सौ स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा। 3 मार्च को सुबह 6:20 बजे से सूतक प्रारंभ होगा। इसके बाद 4 मार्च को रंग-गुलाल के साथ धूमधाम से होली मनाई जाएगी 5 मार्च गुरुवार को धुलेंडी के अगले दिन दूज पर्व मनाया जाएगा, जिसमें बहनें भाइयों को तिलक कर उनके मंगल की कामना करेंगी शासन के निर्देशों के तहत, शिवपुरी कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने जिलेवासियों से अपील की है कि होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर उपले और गोकाष्ठ का उपयोग किया जाए। उन्होंने प्राकृतिक व हर्बल रंगों से होली खेलने, जल संरक्षण करने और पशु-पक्षियों पर रंग न डालने का संकल्प लेने का भी आग्रह किया। जो संस्थाएं लकड़ी की बजाय गोबर के कंडों से होलिका दहन करेंगी, उन्हें सूचीबद्ध कर जिला स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा और शासन द्वारा प्रोत्साहन भी दिया जाएगा होली पर्व को लेकर बाजार पूरी तरह सज चुके हैं। रंग-गुलाल, पिचकारी और हर्बल उत्पादों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है।

हर घर नल से जल' ने दिया सुविधा और स्वास्थ्य का उपहार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्राम पंचायत भगवानपुर विकासखंड भरतपुर के ग्रामीणों के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिल रहा है ग्राम रेंद की निवासी सेम्बती यादव बताती हैं कि पहले उन्हें स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के लिए प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर कुएं और हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था इस प्रक्रिया में उनका काफी समय और श्रम व्यय होता था जिससे घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। लेकिन हर घर नल से जल के संकल्प के तहत जब उनके घर में नल कनेक्शन स्थापित हुआ तब से उनके जीवन में सहजता और सुविधा आई है। अब शुद्ध पेयजल सीधे घर पर उपलब्ध है सेम्बती यादव ने इस जनहितकारी योजना के लिए माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा 'यह योजना हमारे गांव और हमारे भविष्य को नई दिशा दे रही है वास्तव में जल जीवन मिशन ग्रामीण भारत के सामाजिक और स्वास्थ्य स्तर को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल सिद्ध हो रहा है हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाकर यह योजना समृद्ध एवं स्वस्थ समाज की मजबूत नींव रख रही है।

नौगाई में पेयजल क्रांति की ओर मजबूत कदम ग्रामीणों को जल्द मिलेगा हर घर शुद्ध पानी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरौली के ग्राम नौगाई में ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ और स्थायी बनाने की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए निर्मित परिसंपत्तियों के विधिवत हस्तांतरण से पूर्व आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य पूरी गंभीरता और गुणवत्ता के साथ प्रगति पर हैं इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीणों को निर्बाध सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो तथा भविष्य में किसी प्रकार की तकनीकी या आपूर्ति संबंधी समस्या उत्पन्न न हो मरम्मत कार्य योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है जिसमें संरचनात्मक मजबूती पाइपलाइन सुधार जल स्रोतों की सुरक्षा और तकनीकी मानकों के अनुरूप व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशानुसार यह संपूर्ण कार्य सहायक अभियंता ए.एस. सिदार एवं उप अभियंता मनमोहन सिंह के सतत मार्गदर्शन में किया जा रहा है ताकि प्रत्येक स्तर पर गुणवत्ता और समयबद्धता बनी रहे वहीं जिला परियोजना समन्वयक रितेश डिक्सेना अपनी टीम के साथ समन्वय बनाकर कार्यों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं जिससे कार्य सुचारू पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पूर्ण हो सके। इस सुदृढ़ीकरण कार्य के पूर्ण होने के पश्चात ग्राम नौगाई के ग्रामीणों को हर घर तक शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की सुविधा सुनिश्चित होगी यह पहल न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाएगी बल्कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पेयजल के लिए होने वाली दैनिक परेशानियों से भी राहत दिलाएगी गांव में स्वच्छ जल उपलब्धता से जीवन स्तर में सुधार समय की बचत और समग्र ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

रामलीला में राम वन गमन का मंचन बड़ी संख्या में दर्शक लीला देखने पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। चल रही झंग बिरादरी की रामलीला में आज तीसरे दिन भगवान राम के वनवास गमन की लीला का मंचन किया जाएगा इस दौरान बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहेंगे इससे पहले रामलीला में सीता स्वयंवर की लीला का मंचन किया गया था इसमें सर्वप्रथम मारीच और सुबाहु ने साधु-संतों को परेशान कर आतंक मचाया उन्होंने मुनि विश्वामित्र के यज्ञ को विध्वंस किया इसके बाद मुनि विश्वामित्र अयोध्या में राजा दशरथ के पास पहुंचे और राम-लक्ष्मण को अपने साथ ले जाकर दुष्टों का संहार करने की बात कही राजा दशरथ ने पहले तो राम-लक्ष्मण को बालक बताकर भेजने से इनकार कर दिया लेकिन गुरु वशिष्ठ के समझाने पर उन्हें विश्वामित्र के साथ भेज दिया विश्वामित्र ने श्री राम और लक्ष्मण को धनुष विद्या सिखाई इसके बाद राम और लक्ष्मण ने राक्षसी ताड़का का वध किया फिर सुबाहु का अंत किया और मारीच को 100 योजन दूर घायल कर गिरा दिया इसके बाद मुनि विश्वामित्र को राजा जनक के यहां से सीता स्वयंवर का आमंत्रण मिला श्री राम, लक्ष्मण और गुरु विश्वामित्र के साथ राजा जनक के स्वयंवर में पहुंचे उधर, सीता जी अपनी सखियों के साथ फुलवारी में पहुंचीं।

बिलासपुर जोन से चलेगी 8 होली स्पेशल ट्रेनें 7 राज्यों के यात्रियों को मिलेगी सुविधा, दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग मेमू रहेगी बंद

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। होली पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर जोन से 14 फेरों के लिए 8 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी इसके साथ ही छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 56 फेरों की होली स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी किया जाएगा इससे छत्तीसगढ़ समेत महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार जैसे सात राज्यों के यात्रियों को कंफर्म बर्थ की सुविधा मिलेंगी जबकि रेलवे ने होली के दिन दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के बीच होली मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन को नहीं चलाने का फैसला लिया है दरअसल, होली के मौके पर बाहर काम करने वाले लोगों के घर लौटने का सिलसिला तेज हो गया है इसके कारण ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ लगातार बढ़ रही है हालात यह हैं कि नियमित रूप से चलने वाली ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 250 से 300 तक पहुंच गई है वहीं कई ट्रेनों में यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ रहा है और पैर रखने तक की जगह नहीं बची है ऐसी स्थिति को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को राहत देने और कंफर्म बर्थ की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए होली स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है छत्तीसगढ़ समेत महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार जैसे सात राज्यों के यात्रियों को कंफर्म बर्थ की सुविधा मिलेंगी।

छत्तीसगढ़ समेत 7 राज्यों के यात्रियों को मिलेगी सुविधा: रेलवे प्रशासन ने बताया कि दुर्ग, बिलासपुर और गोंदिया जैसे प्रमुख स्टेशनों से इन होली स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को दिल्ली, पटना, छपरा, मधुबनी, हजरत निजामुद्दीन, चर्लपल्ली सहित देश के विभिन्न महत्वपूर्ण गंतव्यों के लिए अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है इन ट्रेनों का मुख्य उद्देश्य होली के अवसर पर बढ़ी हुई भीड़ को नियंत्रित करना और यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ के साथ सुरक्षित और सुगम यात्रा सुविधा प्रदान करना है।

करीबी निकला लूट का मास्टरमाइंड, गुड़गांव से पांच गिरफ्तार डेढ़ लाख रुपए कैश समझकर छीना था बैग, निकले 6.85 लाख

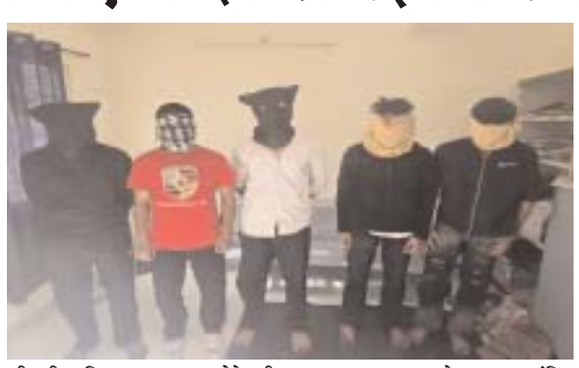

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। दिनदहाड़े कैश से भरा बैग लूटने वाले लुटेरे, प्लानिंग करने वाले मास्टरमाइंड समेत पांच बदमाशों को पुलिस ने गुड़गांव (गुरुग्राम) हरियाणा से गिरफ्तार किया है लूट की प्लानिंग फरियादी के करीबी ने की थी वह पहले भी कई बार कलेक्शन एजेंट को कैश दे चुका था वारदात वाले दिन भी 1.5 लाख रुपए कैश दिया था जिसकी रैकी अपने साथियों को दी थी एक्टिवा सवार लुटेरे भी यही सोचकर आए थे कि बैग में डेढ़ लाख रुपए हैं वारदात के बाद जब वह गोला का मंदिर पर अपने रूम पर पहुंचे और बैग खोला तो उसमें 6.85 लाख रुपए निकले थे जिसे देखकर लुटेरों ने सोचा बड़ा दांव हाथ लगा है यहां वह रुपए आपस में बांटने के बाद गुड़गांव निकल गए थे वे यही सोच रहे थे कि उन्होंने फुल प्रूव प्लानिंग कर वारदात को अंजाम दिया है लेकिन पुलिस उनकी तलाश करते हुए गुड़गांव पहुंची और पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर रविवार को खुलासा किया है फरियादी वासुदेव शर्मा निवासी घंटियाल बड़ी जिला चूरू (राजस्थान), हाल सिटी सेंटर महलगांव, विश्वविद्यालय द्वारा थाना कम्पू में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके जीजा संदीप शर्मा का प्लाईवुड का व्यवसाय है जिसमें वह पार्टियों से रुपए लेने-देने का कार्य करते हैं।

रानी सेन हत्याकांड में 3 नए नाम जुड़े आरोपियों की संख्या 6 हुई एक गिरफ्तार, लाइसेंसी रायफल बरामद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के अमोला थाना क्षेत्र के सलैया गांव में हुए रानी सेन हत्याकांड में पुलिस ने तीन और नाम एफआईआर में जोड़े हैं इस मामले में अब कुल छह आरोपी नामजद हो गए हैं। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि अन्य की तलाश जारी है यह हत्याकांड रास्ते के विवाद में हुई फायरिंग के बाद हुआ था घायल रानी सेन की मौत परसों ग्वालियर में उपचार के दौरान हो गई थी प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने तीन भाई सुगर सिंह लोधी, नरेंद्र लोधी और फेरन लोधी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था परिजनों के बयान के आधार पर अब सुगर सिंह लोधी की पत्नी कपूरी लोधी, नरेंद्र लोधी की पत्नी गीता लोधी और फेरन लोधी के बेटे शैलेंद्र लोधी के नाम भी एफआईआर में शामिल किए गए हैं इसके साथ ही मामले में आरोपियों की कुल संख्या छह हो गई है पुलिस ने मुख्य आरोपी सुगर सिंह लोधी को गिरफ्तार कर लिया है उसके पास से घटना में इस्तेमाल की गई लाइसेंसी रायफल भी बरामद की गई है आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

जबलपुर में हथियार-अवैध शराब के साथ 55 आरोपी गिरफ्तार, रातभर चली पुलिस की कांबिंग गश्त

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शुक्रवार रात से शनिवार तड़के तक जिलेभर में व्यापक कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने वर्षों से फरार आरोपियों की धरपकड़ करते हुए बड़ी कार्रवाई की। रात 9 बजे से सुबह करीब 2 बजे तक शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। अभियान के दौरान लंबित मामलों में फरार आरोपियों और वारंटियों की तलाश की गई।289 वारंट किए गए तामील कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 289 वारंट तामील किए। इनमें 120 गैर म्यादी वारंट, 91 गिरफ्तारी वारंट 71 जमानती वारंट शामिल हैं। पुलिस के अनुसार कई आरोपी वर्षों से गिरफ्तारी से बचते फिर रहे थे, जिन्हें पकड़कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

हथियार के साथ 14 आरोपी गिरफ्तार : अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 13 चाकू और 1 बका बरामद किया। अवैध रूप से धारदार हथियार रखने वाले 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।अवैध शराब कारोबार पर भी कार्रवाई कांबिंग गश्त के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने-पिलाने और अवैध शराब बिक्री में लिप्त लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने 41 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 58 लीटर एवं 134 पाव देशी शराब जब्त की।

स्टेशन, बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थानों की जांच : अभियान के दौरान सक्रिय बदमाशों की निगरानी करते हुए रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मुसाफिरखानों सहित सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग की गई। देर रात घूमने वालों से पूछताछ भी की गई। अपराधियों पर लगातार रहेगी सख्तीपुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इस तरह की कांबिंग गश्त आगे भी लगातार की जाएगी। पुलिस द्वारा गुंडे-बदमाशों और असामाजिक तत्वों की नियमित निगरानी की जाएगी, वहीं वारंटियों और अवैध गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रतलाम में 1610 लीटर नकली घी पकड़ाऱ्यूपी से लाकर देशी बताकर 310 रुपए लीटर में बेचा जा रहा था

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के ग्लोबस सिटी कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर एक मकान में बड़ी मात्रा में नकली घी बरामद किया है। यूपी के मुजफ्फरपुर की दो कंपनियों से नकली घी लाकर रतलाम में देशी घी के नाम पर बाजार में 310 रुपए लीटर में बेचा जा रहा था।

प्रशासन व खाद्य विभाग की टीम ने 1610 लीटर घी को जब्ती में लेकर मकान को सील कर दिया है। शिकायत पर नायब तहसीलदार रामचंद्र पांडेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेष गुप्ता व अन्य नयागांव टैंकर रोड के पास स्थित ग्लोबस सिटी के एक मकान में दोपहर करीब 3 बजे दबिश दी। मकान में बड़ी मात्रा में यूपी फ्रेश, मदर बेस्ट के नाम से घी के अलग-अलग पैकेट मिले। पैकिंग भी ऐसी थी हर कोई देख कर देशी घी समझे।यूपी से ट्रांसपोर्ट से आने की बात कही अधिकारियों ने व्यापारी विक्रांत त्यागी से पूछताछ की। तो बताया कि वह यूपी के मुजफ्फपुर घी मंगवाता है। ट्रांसपोर्ट से वहां से भेजा जाता है। 310 रुपए लीटर में वह खरीददता है। जबकि बाजार में सवा तीन सौ रुपए लीटर में बेचने की बात बताई। अधिकारियों के अनुसार कम रेट में देशी घी के नाम से बेचना शंकास्पद है। सभी पैकेट पर देशी घी होने के जानकारी अंकित थी। रेट भी कम लिखे थे। इस कारण अधिकारियों को शंका है कि यह पूरी तरह से नकली घी है।1610 लीटर घी मिला अधिकारियों को मौके से घी के बड़े डिब्बो के अलावा 200, 400 ग्राम समेत अलग वजन के पैकेट मिले है। कुल 1610 लीटर घी को खाद्य विभाग ने बरामद कर उसी स्थान पर रख कमरे को सील कर दिया है। अलग-अलग 10 सैंपल लिए है। जो कि जांच के लिए लैब पर भेजे जाएंगे। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। घी मुजफ्फपुर की दो कंपनियों सिद्धी ट्रेडर्स व मां वेष्णोदेवी टेडर्स से मंगाया जा रहा था।

सस्ता बेचना मतलब नकली ही है- अधिकारी : जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी शैलेष गुप्ता ने बताया उपभोक्ता द्वारा शिकायत की गई थी। सस्ता घी बेचा जा रहा है। सूचना सही पाई गई। शंका के आधार पर यूपी फ्रेश व मदर बेस्ट घी के सैंपल लिए है। जिसे राज्य खाद्य परीक्षण शाला भोपाल भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने तक संग्रहित घी को जब्ती में ले लिया है। 310 रुपए लीटर में घी बेचा जा रहा है जो शंकास्पद है। मकान से महाकाल ट्रेडर्स के नाम से घी का विक्रय शहर की दुकानों पर किया जा रहा था। महाकाल ट्रेडर्स के विक्रांत त्यागी से अधिकारियों ने पूछताछ की।

चरित्र शंका में पत्नी की हत्या कर पति का सुसाइड, खंडवा में आरोपी की सर्चिंग में जुटी थी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में रविवार को एक महिला की हत्या के मामले में पुलिस को उसके पति की तलाश थी। उसकी तलाश चल रही थी रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव मिल गया। शव की पहचान की गई तो हत्या कर फरार हुए महिला के पति के रूप में उसकी शिनाख्त हुई। पुलिस ने पति-पत्नी के दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा हैं। फिलहाल पुलिस और एफएसएल टीम जांच में जुट गई हैं। मामला हरसूद थाना क्षेत्र के ग्राम दमदमा का हैं। यहां रविवार शाम को एक महिला का शव गांव के नाले में मिला। महिला की पहचान फूलवतीबाई पति रामप्रसाद कलम (35) के रूप में हुई। शव को बारीकी से देखने पर सिर के पीछे गंभीर चोंट देखी गई। हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने जांच की तो महिला के पति पर ही शक हुआ। महिला का पति रामप्रसाद ना मौके पर आया और ना ही घर पर मिला। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई तो लेकिन पुलिस को रातभर कोई सुराग नहीं मिला।

सुबह रेलवे ट्रैक पर हत्यारे पति की लाश मिली : हरसूद टीआई राजकुमार राठौर का कहना है कि, हत्या के मामले में पुलिस जांच कर रही थी। एक टीम महिला के पति की तलाश में थी। हत्या का संदेही आरोपी वहीं था। आज घटनास्थल का मौका मुआयना किया, इसी दौरान सूचना मिली कि एक व्यक्ति की लाश रेलवे ट्रैक पर मिली हैं। पुलिस वहां पहुंची तो शव क्षत-विक्षत था। उस व्यक्ति ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दी थी। शव की पहचान ग्रामीण और उसके परिजनों ने रामप्रसाद के रूप में की है। फिलहाल दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए हरसूद सिविल अस्पताल भेजे हैं।

राज्यसभा सदस्य की गाड़ी को टक्कर मारने वाला पकड़ाया

9 दिन से दे रहा था चकमा, पुलिस लिखे स्टीकर से हुई पहचान, 40 कैमरे खंगाले

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। राज्यसभा सदस्य सुमित्रा वाल्मीकि की कार को टक्कर मारने वाले युवक को रांझी पुलिस ने एक मार्च को पकड़ लिया है। वह नौ दिन से पुलिस को चकमा दे रहा था। युवक ने 20 फरवरी को गोकलपुर के पास वाल्मीकि की गाड़ी को अपनी तेज रफ्तार कार से उस समय पीछे से टक्कर मार दी थी, जब वे अपने गनमैन और पीए के साथ अपने निवास रांझी जा रही थीं। घटना में कोई जनहानि तो नहीं हुई थी पर टक्कर के बाद से वाल्मीकि की तबीयत बिगड़ी हुई है। उनके ड्राइवर विलास सेन की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की थी। पुलिस ने गोकलपुर से रांझी के बीच के करीब 40 सीसीटीवी कैमरे खंगाल डाले पर कार की रफ्तार अधिक होने के कारण नंबर ट्रेस नहीं हुआ। हालांकि पीछे लगे पुलिस लिखे स्टीकर ने पुलिस की मदद की और चालक पकड़ा गया।

शादी समारोह से लौट रही थीं राज्यसभा सदस्य : राज्यसभा सदस्य

सुमित्रा वाल्मीकि 20 फरवरी की रात करीब 11 बजे अंधमूक बाइपास से कार क्रमांक स्ब्क्20-ंश्व-7788 में सवार होकर रांझी अपने निवास जा रही थीं। रात करीब साढ़े 11 बजे जैसे ही उनकी कार गोकलपुर के पास पहुंची, तभी पीछे से आ रही सफेद कार ने टक्कर मार दी, जिससे राज्यसभा सदस्य की कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। अच्छी बात यह थी कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

स्टीकर ने पुलिस को आरोपी तक पहुंचाया : वाल्मीकि की कार को टक्कर मारने के बाद कार सवार चालक मौके से फरार हो गया। रफ्तार अधिक होने के कारण कार का नंबर भी चालक, गनमैन नहीं देख पाए। पुलिस ने 3 किलोमीटर के भीतर लगे 40 से अधिक कैमरे भी खंगाल डाले, पर रफ्तार अधिक होने के कारण नंबर ट्रेस नहीं हो पाया। पुलिस ने कार की 10 से अधिक फोटो लीं, जिनमें पुलिस लिखा स्टीकर लगा हुआ दिखा। रांझी सीएसपी सतीष साहू के साथ थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी और उनकी टीम ने रांझी, खमरिया में 20 से अधिक स्विफ्ट कार को तलाश डाला, पर सफलता हाथ नहीं लगी।

घर पर छिपा रखा था कार : टक्कर राज्यसभा सदस्य की कार को लगी थी, लिहाजा रांझी थाना पुलिस ने घटना को गंभीरता से लिया और लगातार अज्ञात कार की तलाश में जुटी रही। रविवार शाम को जानकारी लगी कि एक सफेद कार, जिसमें कि पुलिस का स्टीकर भी लगा हुआ है, वह मनमोहन नगर रांझी बड़ा पत्थर के पास खड़ी हुई है। टीआई टीम के साथ फौरन मौके पर पहुंची और कार को जब्त किया। पूछताछ के दौरान पता चला कि कार का मालिक मनीष धनधारिया है, जो कि प्राइवेट जॉब करता है। उसने बताया कि 20 फरवरी की रात को सीनियर स्टाफ क्लब में हुई पार्टी से वापस घर लौट रहा था। गोकलपुर के पास उसकी कार का राज्यसभा सदस्य की गाड़ी से टक्कर हो गई थी। पुलिस को उसने बताया कि वह घटना के बाद से बहुत डर गया था, जिस कारण से सीधे घर आया और कार को ढककर रख दिया था।

पुलिस के स्टीकर ने पहुंचाया आरोपी तक : थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी ने बताया कि आरोपी मनीष धनधारिया के पिता एसएएफ बटालियन मे हेड कास्टेबल के पद पर पदस्थ हैं। वह जबलपुर में एक ही कंपनी में जॉब करता है। घटना के बाद से कार घर पर ही खड़ी थी। टक्कर राज्यसभा सदस्य की गाड़ी को लगी थी।

भिंड में शराब पार्टी के लिए गए युवक का मर्डर, शरीर पर चोट के निशान

मीडिया ऑडीटर, भिंड (निप्र)। भिंड शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान लश्कर रोड निवासी ऑल मोहम्मद कुरैशी (46) के रूप में हुई है, जो महिला एवं बाल विकास विभाग में क्लर्क (बाबू) के पद पर पदस्थ थे। परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।

सुबह गली में मिला शव : जानकारी के मुताबिक रविवार रात कुछ दोस्त समीर उर्फ ऑल मोहम्मद कुरैशी को शराब पार्टी के लिए रानी के ताल रोड स्थित छोटू के मकान पर ले गए थे। मोहल्ला वासियों के अनुसार पार्टी के दौरान शराब कम पड़ गई। इसके बाद रात करीब 12 बजे मृतक अपने साथियों के साथ पास ही अवैध रूप से शराब बेचने

वाले एक युवक के घर शराब लेने पहुंचा। इसी दौरान वहां किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया। बताया जाता है कि मारपीट के बाद साथी मौके से भाग गए और समीर को वहीं छोड़ दिया। सोमवार सुबह गली में उसका शव पड़ा देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त कराई और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पैसों के लेन-देन को लेकर हत्या की आशंका : परिजनों का आरोप है कि पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ और दोस्तों ने ही उसकी हत्या की है। मृतक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गया। पुलिस ने दो से तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस मामले में टीआई ब्रजेंद्र सिंह सेंगर का कहना है कि शराब पार्टी में मारपीट हुई या नहीं, यह जांच का विषय है। मृतक के परिजनों की शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कुछ भी स्पष्ट कहना जल्दबाजी होगा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

जबलपुर में ई-रिक्शा ने कार को पीछे से मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। जबलपुर, एजेंसी। जबलपुर के गोराबाजार क्षेत्र में रविवार शाम मारपीट की एक घटना सामने आई है। यहां एक कार चालक ने मामूली टक्कर के बाद ई-रिक्शा चालक की चप्पलों से जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। जानकारी के अनुसार रविवार शाम एक सफेद कार गोराबाजार इलाके से गुजर रही थी। इसी दौरान सामने से बस आने पर कार चालक ने अचानक वाहन को किनारे खड़ा कर दिया। पीछे से आ रहा ई-रिक्शा कार से टकरा गया। टक्कर के बाद कार चालक गाड़ी से नीचे उतरा और ई-रिक्शा चालक पर भड़क गया।ई-रिक्शा चालक के चेहरे पर चोट आई प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ई-रिक्शा चालक लगातार माफी मांगते हुए कह रहा था कि उसकी कोई गलती नहीं है।

सिर में गोलीज्युवक-युवती की मौत, छत पर मिले शव, ऑनर किलिंग की आशंका

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में सोहागपुर के भटगांव में सोमवार सुबह गोली लगने से युवक-युवती की मौत हो गई। ये हत्या है या युवक ने युवती को मारा और फिर खुद गोली मार ली, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। सोहागपुर एसडीओपी संजू चौहान, थाना प्रभारी उषा मरावी, शोभापुर पुलिस चौकी प्रभारी सुरेश चौहान ने मौका-मुआयना किया है। युवती की पहचान रिंकी पुरवइया (21) पिता सुरेश पुरवइया निवासी भटगांव, सोहागपुर के रूप में हुई है। युवक का नाम अरुण पुरवइया (28) है, जो रायसेन के गोरा मचवाई गांव का रहने वाला था। सोहागपुर पुलिस के मुताबिक, शव रिंकी के घर की छत पर बने बाथरूम में मिले हैं। इन्हें सबसे पहले रिंकी के पिता सुरेश

पुरवइया ने देखा। उन्होंने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े 12 बजे रिंकी को छत पर देखा था। सुबह 7 बजे जागने पर दोबारा छत पर पहुंचे तो दोनों के शव मिले।

अरुण के हाथ में मिली पिस्तौल : एसपी साईकृष्णा थोटा ने बताया कि कि अरुण और रिंकी के सिर में गोली लगी है। अरुण के हाथ में पिस्तौल भी मिली है। नर्मदापुरम से एफएसएल अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

टायर फटने से टर्निंग पर पलटा ट्राला, नर्मदापुरम के भोपाल चौराहे पर हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में रविवार दोपहर करीब 3 बजे भोपाल चौराहे की टर्निंग पर एक बड़ा ट्राला अचानक पलट गया। हादसे का कारण ट्राले के दो टायर फटना बताया जा रहा है। गनीमत यह रही कि ट्राले के पलटने के दौरान कोई भी व्यक्ति या वाहन उसकी चपेट में नहीं आया, वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है और ट्राले के पलटने की वजह की जांच कर रही है। ड्राइवर के मुताबिक, ट्राले में ट्राइडेंट कंपनी के टॉवेल लोड किए गए थे। इन टॉवेल को ट्राइडेंट कंपनी से पवारखेड़ा ले जाया जा रहा था। भोपाल चौराहे पर जैसे ही ट्राला रसूलिया की तरफ मुड़ रहा था, उसी दौरान यह घटना हो गई।

जोरदार आवाज के साथ फटे टायर, मची अफरा-तफरी : टर्निंग के दौरान अचानक से टायर फटने की जोरदार आवाज आई और भारी-भरकम ट्राला पलटी खा गया। शुक्र रहा कि उसके गिरने के दौरान कोई भी व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

कोतवाली पुलिस कर रही हादसे की जांच : सड़क पर ट्राला पलटने और भीड़ जमा होने की सूचना मिलते ही कोतवाली थाने का स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने स्थिति को संभाला और अब ट्राले के पलटने की सटीक वजह का पता लगाने में जुटी हुई है।

गूगल से फोटो बनाई

रेलवे में नौकरी हासिल की: सीबीआई ने बिहार के दो जालसाजों को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। रेलवे में फर्जीवाड़ा और जालसाजी करते हुए नौकरी पाने वाले दो युवकों को जबलपुर सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार किया है। दोनों युवक बिहार के मुंगेर जिले के रहने वाले हैं। युवकों के बीच नौकरी को लेकर 6 लाख रुपए का सौदा हुआ था। जबलपुर सीबीआई ने धोखाधड़ी और जालसाजी करने वाले दोनों आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार कर जबलपुर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

2024 में निकली थी भर्ती : भारतीय रेलवे में 2024 में अलग-अलग पदों के लिए करीब 8 हजार से अधिक भर्तियां निकली थी। इसमें देश भर से अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इसमें टेक्नीशियन का पद भी था। मुंगेर निवासी मुकेश कुमार ने इस पोस्ट के लिए फार्म भरा। मुकेश ने पड़ोस के ही रंजीत कुमार जो कि कोचिंग पढ़ाया करता है, उससे संपर्क किया। मुकेश ने डील की कि उसकी नौकरी लग जाती है, तो 6 लाख रुपए नकद देगा।

रुपए की लालच में आ गया रंजीत : मुकेश ने रंजीत कुमार से परीक्षा में बैठने से लेकर नौकरी लग जाने तक

के लिए 6 लाख रुपए देने की बात कही। वह लालच में आ गया और मुकेश के स्थान पर बैठने के लिए तैयार हो गया। अप्रैल 2024 में फार्म भरा गया। जहां दिसंबर में पटना सीबीटी में परीक्षा हुई। एग्जाम पास करन के बाद दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल के लिए भोपाल बुलाया गया। यहां पर भी रंजीत कुमार, मुकेश बनकर पहुंचा।

मेडिकल कोटा अस्पताल में हुआ। जुलाई 2025 में पैनल बैठी। जहां मुकेश का सिलेक्शन हो गया।सेक्शन इंजीनियर ऑफिस में हुई ज्वाइनिंग मुकेश की टेक्नीशियन के पद पर नौकरी लग चुकी थी। सितंबर 2025 में उसकी ज्वाइनिंग हो गई। इस दौरान मुकेश कुमार ने दमोह, सागर और जबलपुर में काम किया। अक्टूबर 2025 में ट्रेनिंग के लिए मुकेश कुमार को प्रयागराज भेज दिया गया।

बायोमैट्रिक में हुआ फेल : रेलवे में नियम है कि नई भर्ती वाले कर्मचारियों का एक साल के भीतर बायोमैट्रिक के जरिए सत्यापन होता है। 14 नवंबर 2025 को जब टेस्ट हुआ तो उसमें मुकेश के अंगूठे और चेहरे का मिलान नहीं हो पाया और वह फेल हो गया। इसके बाद बिना जबलपुर में रुके मुकेश वहां से गायब हो गया और सीधे बिहार आ गया। जबलपुर मंडल की ओर से इस फर्जीवाड़े में सीबीआई को लिखित में शिकायत दी गई, जिसके बाद 2 दिसंबर 2025 को मुकेश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

गांव में मिले दोनों : रेलवे की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने के बाद सीबीआई ने फर्जीवाड़े की जांच शुरू की। एसपी एसके राठी के निर्देश पर डीएसपी ए.के मिश्रा की टीम ने जांच करना शुरू किया। लोकेशन के आधार पर जबलपुर सीबीआई की टीम बिहार के मुंगेर पुहंची, जहां पर मुकेश हाथ लगा। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि रंजीत कुमार जो पड़ोस में ही रहता है। उससे इस नौकरी के लिए 6 लाख रुपए में सौदा हुआ था। मुकेश की निशानदेही पर सीबीईआई ने रंजीत कुमार को भी मुंगेर से पकड़कर जबलपुर लेकर आई। 2 मार्च 2026 में दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।गूगल से तैयार की फोटो नौकरी के इस फर्जीवाड़े में सीबीआई को सबसे चौंकाने वाली जानकारी तब हाथ लगी, जब फॉर्म में लगी फोटो देखी।

पूछताछ के दौरान रंजीत ने बताया कि जो फोटो लगाई गई थी, उसे गूगल से तैयार किया था, जिसमें रंजीत-मुकेश की मिक्सिंग की थी। प्लान था कि अगर पहचान में आते तो कह सकते थे कि ये पुरानी फोटो है और पहले इसी तरह से नजर आते थे। सीबीआई ने जांच में पाया कि मुंगेर निवासी मुकेश कुमार की कोचिंग चलती है, जहां वह कई लोगों को पढ़ाया करता है। सीबीआई अब यह भी जांच कर रही है, कि क्या मुकेश कुमार ने किसी और शख्स की भी परीक्षा में बैठकर मदद करते हुए नौकरी लगवाई है।

'संजू सैमसन होना आसान नहीं'

11 साल का करियर सिर्फ 60 मैच, सेमीफाइनल में पहुंचाकर अब पूरे देश को दिया होली का तोहफा

भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जो जुझारू पारी खेली, वो दशकों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने अकेले दम पर ओपनिंग से अंत तक नाबाद रहते हुए 50 गेंद पर 97 रन बनाए।

नई दिल्ली, एजेंसी। संजू सैमसन....एक ऐसा नाम जो कभी-कभी इंटरनेशनल क्रिकेट में सुनाई देता था। कभी-कभी इसलिए क्योंकि इस खिलाड़ी की जगह कभी भी भारतीय टीम में स्थाई नहीं रहती। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए बेहतरीन कप्तानी, टी20 फॉर्मेट में 8 हजार से ज्यादा रन, फिर भी भारतीय टीम के लिए मैदान से ज्यादा यह खिलाड़ी बेंच पर रहता है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भी कुछ ऐसा ही था। संजू सैमसन का फॉर्म भी लगातार उनका साथ नहीं देता है। उनके क्लास, उनके बैटिंग स्टाइल और उनके टैलेंट पर किसी को कभी शक नहीं रहा, लेकिन उसको साबित करने में कई बार संजू की किस्मत ने धोखा दिया। ऐसा ही टी20 वर्ल्ड कप से पहले देखने को मिल रहा था। 2024 में पूरे टूर्नामेंट में यह खिलाड़ी बेंच पर ही था। इस बार भी हालात ऐसे ही बनते दिख रहे थे। वर्ल्ड कप से ठीक पहले उनकी ओपनिंग पोजीशन और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी इशान किशन को दे दी गई।

खत्म होती कहानी में आया नया मोड़...

हर किसी का मानना था कि यह संजू की कहानी का अंत है...। पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। भगवान ने संजू के लिए जिंदगी का एक ऐसा खूबसूरत लम्हा संजो कर रखा था जिसकी भनक किसी को नहीं थी। बीच वर्ल्ड कप सुपर 8 के पहले मैच में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से हारती है। फिर सवाल उठते हैं, आलोचना होती है। इसके बाद कोच और कप्तान कॉम्बिनेशन को खंगालते हैं और फिर संजू को आजमाते हैं।

इस तरह एक बार फिर संजू की बतौर ओपनर वापसी होती है। पहले मैच में वह अच्छा स्टार्ट देते हैं और टीम को लंबे अरसे बाद अच्छी ओपनिंग पार्टनरशिप देखने को मिलती है। उसके बाद आता है वो मैच जो शायद संजू की खत्म होती कहानी का अब सबसे खूबसूरत चैप्टर बनकर याद किया जाएगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ ओपनिंग से अंत तक 50 गेंद पर 97 रन की पारी और अकेले दम पर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले चेट्टा ने साबित कर दिया कि क्यों उनकी इतनी फैन फॉलोइंग है।

'संजू सैमसन होना आसान नहीं '

संजू सैमसन की बात करें तो यह खिलाड़ी सबसे दुर्भाग्यशाली खिलाड़ी है। संजू ने 2015 में अपना टी20 करियर शुरू किया था। उसके बाद से अभी तक 11 साल में वह सिर्फ 60 इंटरनेशनल मुकाबले ही टीम इंडिया के लिए खेले हैं। 52 पारियों में 1221 रन, 150 से ऊपर का स्ट्राइक रेट और तकरीबन 26 का औसत, यह बताता है कि इस खिलाड़ी में कितना दम है, लेकिन दबाव, प्लेइंग कॉम्बिनेशन इन सबके कारण कभी इस खिलाड़ी की टीम में जगह पक्की नहीं हो पाई। संजू सैमसन ने हर बड़े मौके पर भारत के लिए उपयोगी पारियां खेलीं। एशिया कप फाइनल में टॉप ऑर्डर के फेल होने पर संजू ने ही तिलक के साथ पारी को संभाला था। साउथ अफ्रीका दौरे पर वनडे मैच में जब टीम डगमगाई थी तो संजू ने ही शतक लगाकर टीम को जिताया था। अब टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जब भारत फंसा था तो संजू आए, संजू चमके और संजू ने टीम इंडिया को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। इस पारी और पिछली कुछ पारियों में अंतर बस इतना था कि वहां संजू साइड हीरो थे लेकिन अब संजू लीड हीरो बनकर सामने आए हैं। इतने दबाव, इतने प्रेशर, इतनी अस्थिरता के बीच सबसे अहम मैच में संजू सैमसन का जो मैच विनिंग परफॉर्मेंस आया है, यह दिखाता है कि वह कितने सरल, शांत स्वभाव के खिलाड़ी हैं। इसलिए हम भी कहते हैं कि संजू होना आसान नहीं है। इस खिलाड़ी ने विनिंग चौका लगाते ही मैदान पर बैठकर ईश्वर का शुक्रिया कहा, ड्रेसिंग रूम में जाकर अपनी किट और बैट को प्रणाम किया।

संजू ज्ज20 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बने, रोहित का 2 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

कोलकाता के ईडन गार्डन में वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अहम मुकाबले में भारतीय ओपनर संजू सैमसन ने नाबाद 97 रन की पारी खेल भारत को जीत दिलाई और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। यही नहीं इस पारी के साथ ही संजू सैमसन टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर भी आ गए। उन्होंने रोहित शर्मा का 2 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

संजू ने तोड़ा रोहित शर्मा का 2 साल पुराना रिकॉर्ड- संजू ने इंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी खेली और ये टी20 वर्ल्ड कप में भारत की तरफ से दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा। टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड अब भी सुरेश रैना के नाम पर ही दर्ज है। रैना ने साल 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 101 रन की पारी खेली थी। यही नहीं संजू सैमसन टी20 वर्ल्ड कप में चेज करते हुए भारत के लिए अर्धशतकीय पारी खेलने वाले पहले विकेटकीपर भी बने। संजू ने अपनी नाबाद 97 रन की पारी से रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया जो इससे पहले लिस्ट में दूसरे नंबर पर थे। रोहित शर्मा अब तीसरे नंबर पर खिसक गए। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साल 2024 में 92 रन की पारी खेली थी, लेकिन अब संजू ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। इस लिस्ट में विराट कोहली नाबाद 89 रन की पारी के साथ चौथे नंबर पर हैं जबकि टीम इंडिया के मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव नाबाद 84 रन के साथ पांचवें नंबर पर हैं।

भारत के लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर

101 रन- सुरेश रैना बनाम साउथ अफ्रीका, ग्रोस आइलेट- 2010
97* रन- संजू सैमसन बनाम वेस्टइंडीज, ईडन गार्डन- 2026
92 रन- रोहित शर्मा बनाम ऑस्ट्रेलिया, ग्रोस आइलेट- 2024
89* रन- विराट कोहली बनाम वेस्टइंडीज, वानखेड़े- 2016
84*रन-सूर्यकुमार यादव बनाम यूएसए, वानखेड़े- 2026

टैलोन ग्रीक्सपूर के हटने से दानिल मेदवेदेव ने दुबई खिताब जीता

दुबई, एजेंसी। दानिल मेदवेदेव ने शनिवार को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता, जब टैलोन ग्रीक्सपूर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण फाइनल से पहले हट गए। ग्रीक्सपूर को शुक्रवार को आंद्रेई रुब्लेव पर अपनी सेमीफाइनल जीत के दौरान चोट लगी थी।

डचमैन ने एक सर्व के बाद अजीब तरह से लैंड किया और, हालांकि उन्होंने सीधे सेटों में जीत हासिल की, वह चैंपियनशिप मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए, जिसके परिणामस्वरूप वॉकओवर हो गया। ट्रॉफी सेरेमनी के दौरान ग्रीक्सपूर ने कहा, %मैं बेहतर हो गया हूं, यह पक्का है। बदकिस्मती से सेमीफाइनल के दौरान मुझे चोट लग गई। मैं आज सुबह हॉस्पिटल गया और कुछ स्कैन हुए, जिसमें कुछ सीरियस दिखा। इसकी वजह से मैं आज रात कोर्ट पर नहीं आ पाया और आने वाले हफ्तों में भी कोर्ट पर नहीं आ पाऊंगा।%

यह टाइटल मेदवेदेव का 23वां टूर-लेवल क्राउन है और जनवरी में ब्रिस्बेन में जीतने के बाद 2026 सीजन का दूसरा क्राउन है। यह पहली बार भी है जब 30 साल के इस खिलाड़ी ने एक ही इवेंट दो बार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2023 में दुबई में जीत हासिल की थी। एटीपी लाइव रैंकिंग में नंबर 11 पर मेदवेदेव नंबर 10 अलेक्जेंडर बुब्लिक से सिर्फ 45 पॉइंट पीछे हैं, जबकि वह पिछले साल जून के बाद पहली बार टॉप 10 में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।

पहली बार एक ही इवेंट दो बार जीतने के बारे में पूछे जाने पर मेदवेदेव ने कहा, %यही इसकी क्रेजी बात है। मैंने दुनिया के किसी भी शहर में ऐसा कभी नहीं किया, और पहली बार जब मैंने ऐसा किया, तो यह वॉकओवर के जरिए हुआ... हम हफ्ते की शुरुआत से पहले ही जानते थे, जिस तरह से मैं प्रैक्टिस कर रहा था, मैं एक भी बॉल मिस नहीं कर सकता था। हम जानते थे कि यह एक शानदार हफ़्ता होने वाला है। यह एक शानदार हफ़्ता था और मैं आने वाले अगले टूर्नामेंट्स का इंतज़ार कर रहा हूं।%

हार्ड कोर्ट पर अपनी 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी के साथ मेदवेदेव ने एक्टिव खिलाड़ियों में नोवाक जोकोविच (72) के बाद, इस सरफेस पर दूसरे सबसे ज़्यादा जीत के मामले में वर्ल्ड नंबर 2 जैनिक सिनर की बराबरी कर ली। ग्रीक्सपूर दुबई में अपने करियर का चौथा और सबसे बड़ा एटीपी टूर टाइटल जीतने की कोशिश कर रहे थे, जहां उन्होंने इस हफ्ते टॉप 20 प्लेयर्स बुब्लिक, जैकब मेंसिक और रुब्लेव पर जीत दर्ज की। डचमैन की मेदवेदेव के साथ एकमात्र पिछली भिड़ंत पिछले साल दुबई में हुई थी, जब उन्होंने सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में यादगार चार मैच पॉइंट बचाए थे। मेदवेदेव अगली बार इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 में हिस्सा लेंगे, जहां वह दो बार के फाइनलिस्ट हैं।

प्राग मास्टर्स शतरंज : रोमांचक मुक़ाबले में नवारा नें गुकेश को ड्रा पर रोका

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राग, चेक गणराज्य प्राग शतरंज फ़ेस्टिवल में मास्टर्स वर्ग में विश्व चैंपियन डी गुकेश को अभी भी अपनी पहली जीत नसीब नहीं हुई है और उन्होंने पिछले राउंड में मिली हार के बाद इस राउंड में मेजबान देश के नंबर एक खिलाड़ी डेविड नवारा से ड्रा खेला है . चार बाज़ियों में गुकेश तीसरी बार सफेद मोहरो से खेल रहे थे और परिणाम बेनतीजा रहा . एक समय गुकेश रूई लोपेज ओपनिंग में डेविड के उपर वजीर के हिस्से से दबाव बना लिया था और केंद्र पर उनके तीज प्यादे नें उन्हें अच्छी स्थिति में ला दिया था पर डेविड बढ़िया खेले और खेल में गुकेश को और बेहतर नहीं होने देते हुए अच्छा बचाव किया और 72 चालों तक प्रयास करने के बाद गुकेश को आधा अंक बाँटने पर मजबूर होना पड़ा , मास्टर्स वर्ग में भारत के अरविंद चितम्बरम को जर्मनी के विंसेंट केमर के सामने अपनी दूसरी हार का सामना करना पड़ा। अन्य बाज़ियों में नीदरलैंड के जॉर्डन फारेस्ट नें नोदीरबेक याकुब्बोएव को मात देते हुए 3 अंक बनाते हुए एकल बढ़त क़ायम कर ली है , स्पेन के डेविड अँटोन से ड्रा खेलते हुए उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तारोव नोदीरबेक दूसरे स्थान पर बने हुए है . चैलेंजर वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख नें चेक गणराज्य के फिनेक वैक्लेव से और सूर्या शेखर गांगुली नें स्टेपन हर्बेक से ड्रा खेला।

ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया का सूपड़ा साफ, आखिरी वनडे में 185 रन से मिली शर्मनाक हार

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी वनडे में भारतीय महिला टीम को 185 रन से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया का वनडे सीरीज में सूपड़ा साफ हो गया। भारत ने पहले दो वनडे गंवाने के बाद यहां तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में शर्मनाक प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिए गए 410 रन के लक्ष्य के जवाब में भारतीय टीम 45.1 ओवर में 224 रन बनाकर सिमट गई।

एलिसा हीली की जीत के साथ विदाई

इस तरह कंगारू टीम ने अपनी कप्तान एलिसा हीली को जीत के साथ वनडे करियर से विदाई दी। हीली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भी 158 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। वहीं बेथ मूनी ने भी नाबाद 106 रन की पारी खेली। इसके बाद गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के लिए अलाना किंग ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 10 ओवर में 33 रन देकर चार विकेट लिए। वहीं भारत की तरफ से बल्लेबाजी में कोई भी बैटर 50 का आंकड़ा तक नहीं छू पाई। ओपनिंग में उपकप्तान स्मृति मंधाना डक पर पवेलियन लौट गईं। उसके बाद प्रतिका रावल ने 27 और जेमिमा रोड्रिग्स 42 रन पर पवेलियन लौट गईं। अंत में स्नेह राणा ने 74 गेंद पर 44 रन पर बनाए। बाकी कोई भी बैटर कुछ खास नहीं कर पाईं। इस तरह भारतीय टीम ने तीसरा वनडे मैच भी गंवा दिया।

भारतीय टीम की अब रेड बॉल में परीक्षा

भारतीय टीम ने इससे पहले टी20 सीरीज इस दौरे पर 2-1 से अपने नाम की थी। वहीं वनडे सीरीज में पहले 6 विकेट और फिर 5 विकेट से भारत को हार मिली। उसके बाद तीसरे वनडे में अब 185 रन से टीम इंडिया हारी। अब भारतीय टीम की परीक्षा मजबूत कंगारू टीम के सामने रेड बॉल में होगी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026

ग्रुप स्टेज में 14 साल से नहीं भिड़े भारत-इंग्लैंड, सेमीफाइनल में लगातार तीसरी बार टक्कर

टी20 वर्ल्ड कप में भारत और इंग्लैंड का लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में टकर होगा। इससे पहले 2024 में भारत को जीत मिली थी। 2022 में इंग्लैंड ने भारत को हराया था।

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। भारत-इंग्लैंड लगातार तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भिड़ेंगे। दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में 2012 के बाद से आमने-सामने नहीं हुई हैं, लेकिन 2022 से लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में एक दूसरे से भिड़ेंगी। 2022 में एडिलेड में इंग्लैंड ने 10 विकेट से भारत को हराया था। 2024 में प्रोविडेंस में भारत ने इंग्लैंड को 68 रन से हराया था। टी20 वर्ल्ड कप में भारत-इंग्लैंड का पांच बार आमना-सामना हुआ है। भारत तीन मैच जीता है और इंग्लैंड दो मैच जीता है। पहली बार भारत-इंग्लैंड की भिड़ंत 2007 में हुई थी। इसी मैच में युवराज सिंह ने स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जड़ दिए थे। भारत ने डरबन में इंग्लैंड को 18 रन से हराया था। दूसरी भिड़ंत 2009 में हुई थी। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में भारत को 3 रन से हराया था।

तीन टी20 वर्ल्ड कप में नहीं हुआ आमना-सामना

तीसरी बार 2012 में भिड़ंत हुई थी। कोलंबो में भारत को 90 रन से जीत मिली थी। 2014,2016 और 2021 में भारत-इंग्लैंड का आमना-सामना नहीं हुआ। 2022 में एडिलेड में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हराया था। इंग्लैंड ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। 2024 में प्रोविडेंस में भारत ने इंग्लैंड को 68 रन से हराया था। भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब अपने नाम किया।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत-इंग्लैंड हेड टू हेड

टीम	परिणाम	अंतर	मैदान
टी20 वर्ल्ड कप 2007	जीत	18 रन	डरबन
टी20 वर्ल्ड कप 2009	हार	3 रन	लॉर्ड्स
टी20 वर्ल्ड कप 2012	जीत	90 रन	कोलंबो
टी20 वर्ल्ड कप 2022	हार	10 विकेट	एडिलेड
टी20 वर्ल्ड कप 2024	जीत	68 रन	प्रोविडेंस

टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को हराकर बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 राउंड की जैसी शुरुआत की थी उसे देख सभी भारतीय फैंस निराश थे। वहीं अब वेस्टइंडीज को हराकर जिस तरह टीम इंडिया ने सुपर 8 का अंत किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई, उससे मानो हर भारतीय क्रिकेट फैन को होली का तोहफा मिल गया हो। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस शानदार जीत से टीम इंडिया ने कई बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम किए।

भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का अपना सबसे सफल रन चेज किया है। वहीं ओवरऑल यह वर्ल्ड कप के इतिहास का तीसरा सबसे सफल रन चेज है। भारतीय टीम ने इससे पहले 175 से अधिक का स्कोर टी20 वर्ल्ड कप में कभी नहीं चेज किया था।

मगर अब संजू सैमसन की संकटमोचक पारी की बदौलत टीम इंडिया ने इतिहास रचा और रिकॉर्ड छठी बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई है। इस वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम इंडिया ने बराबरी की है। आइए जानते हैं विस्तार से टीम इंडिया द्वारा इस मैच में बनाए गए तीन बड़े रिकॉर्ड्स के बारे में:-

टी20 वर्ल्ड कप के सबसे सफल रन चेज

230 रनः इंग्लैंड, बनाम साउथ अफ्रीका, वानखेड़े 2016
206 रनः साउथ अफ्रीका, बनाम वेस्टइंडीज, वांडरर्स 2007
196 रनः भारत, बनाम वेस्टइंडीज, ईडेन गार्डेन्स 2026*
195 रनः यूएसए, बनाम कनाडा, डल्लास 2024
193 रनः वेस्टइंडीज, बनाम भारत, वानखेड़े 2016

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल का शेड्यूल

● साउथ अफ्रीका से न्यूज़ीलैंड तो भारत की इंग्लैंड से भिड़ंत, कोलकाता-मुंबई में मुकाबले

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सुपर-8 राउंड समाप्त हो गया है। इस स्टेज के आखिरी मैच में चौथा सेमीफाइनलिस्ट तय हुआ। भारत ने कोलकाता में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सुपर-8 के ग्रुप-2 से इंग्लैंड पहले और न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर रहा। ग्रुप-1 से साउथ अफ्रीका पहले और भारत दूसरे नंबर पर रहा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल बुधवार (4 मार्च)को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। यह मैच साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होगा। दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च 2026 को इंग्लैंड और भारत के बीच खेला जाएगा। यह मैच मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में होगा। सेमीफाइनल के दोनों मैचों के लिए रिजर्व डे है। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 8 मार्च को खेला जाएगा। तीनों मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होंगे।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 शेड्यूल

पहला सेमीफाइनल- 4 मार्च 2026- साउथ अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड (कोलकाता)।

दूसरा सेमीफाइनव- 5 मार्च 2026- इंग्लैंड बनाम भारत/वेस्टइंडीज (मुंबई)।

फाइनल- 8 मार्च 2026 (अहमदाबाद)।

भारत-इंग्लैंड लगातार तीसरी बार भिड़ेंगे सेमीफाइनल में

टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में लगातार तीसरी बार भारत और इंग्लैंड का आमना-सामना होगा। 2022 में इंग्लैंड ने 10 विकेट से भारत को हराया था। 2024 में भारत ने इंग्लैंड को 68 रनों से हराया था। 2022 में इंग्लैंड और 2024 में भारत चैंपियन बना था।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिले उपमुयमंत्री विजय शर्मा

कवर्धा बायपास और एनएच-30 के धवईपानी से सिमगा सेक्शन को 4-लेन करने का किया आग्रह, मंत्री ने दिया शीघ्र स्वीकृति का आश्वासन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शनिवार के अपने नागपुर प्रवास के दौरान भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से महत्वपूर्ण मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (एनएच-30) के धवईपानी (चिल्फी) से कवर्धा होते हुए सिमगा तक लगभग 122 किलोमीटर लंबे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करने तथा कवर्धा बायपास (4रु-क्क) के निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को बताया कि हाल ही में एनएच -30 के जबलपुर से मंडला एवं चिल्फी तक लगभग 160 कि.मी. के सेक्शन को 4-लेन में विकसित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में चिल्फी (धवईपानी) से कवर्धा तथा कवर्धा गुरूनाला से सिमगा तक का मार्ग 10 मीटर चौड़ाई की 2-लेन सड़क के रूप में निर्मित है। चिल्फी से रायपुर मार्ग पर वर्तमान में व्यावसायिक एवं भारी वाहनों का अत्यधिक आवागमन होता है। जबलपुर-मंडला-चिल्फी सेक्शन के 4-लेन बनने के बाद यातायात का दबाव आगे के 2-लेन सेक्शन पर और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसी स्थिति में लोक सुरक्षा एवं यातायात सुगमता के दृष्टिकोण से धवईपानी (चिल्फी) से सिमगा (रायपुर) तक के पूरे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। जबलपुर से रायपुर के मध्य एनएच-30 पर जिला कबीरधाम मुख्यालय कवर्धा स्थित है। यह अंतर्राज्यीय मार्ग व्यावसायिक, सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन होता है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा शहर में भारी यातायात के दबाव को कम करने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवर्धा बायपास (4 लेन मय पेव्ड शोल्डर) के निर्माण की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि बायपास निर्माण से शहर के भीतर दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी तथा यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा।

नागपुर से लौटते ही रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि सिमगा से रायपुर तथा धवईपानी से जबलपुर तक 4-लेन निर्माण के आदेश पूर्व में जारी हो चुके हैं, किंतु धवईपानी से सिमगा तक का सेक्शन शेष रह गया था। इस महत्वपूर्ण खंड को भी 4-लेन में विकसित करने हेतु उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से आग्रह किया, जिसे उन्होंने तत्काल स्वीकार करते हुए शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा मैं केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी का हृदय से अभिनंदन करता हूं कि उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकता को समझते हुए इस महत्वपूर्ण मार्ग को 4-लेन बनाने के लिए सकारात्मक सहमति प्रदान की है। इससे जबलपुर से रायपुर तक आमजन को निर्बाध 4-लेन मार्ग की सुविधा मिल सकेगी।

जल जीवन मिशन से बदली फुलमत बाई की जिंदगी, अब नहीं करना पड़ता पानी के लिए संघर्ष

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आदिवासी बहुल कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम नवापारा की 60 वर्षीय फुलमत बाई कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझा करती थीं। घर में नल नहीं होने के कारण उन्हें प्रतिदिन दो से तीन किलोमीटर दूर स्थित ढोढ़ी तक जाना पड़ता था। नाले के पास बने उस अस्थायी स्रोत से बड़े बर्तन में पानी भरकर सिर पर लादकर घर लाना उनकी मजबूरी ही नहीं, बल्कि दिनचर्या बन गई थी।

बरसात के दिनों में फिसलन भरे रास्तों पर जोखिम उठाकर ढोढ़ी तक पहुँचना कठिन होता था और गर्मी के मौसम में पानी का स्तर घट जाने पर समस्या और भी विकराल रूप ले लेती थी। बकरी पालन से जीवन यापन करने वाली वृद्धा इस कष्ट को वर्षों से सहती आ रही थीं। लेकिन जल जीवन मिशन के अंतर्गत उनके घर में नल कनेक्शन लगने के बाद उनका जीवन बदल गया। अब रोज सुबह 8 बजे और शाम 4 बजे उनके नल से नियमित रूप से पानी उपलब्ध होता है। फुलमत बाई कहती हैं कि अब उन्हें ढोढ़ी तक नहीं जाना पड़ता, जिससे उनके समय, श्रम और स्वास्थ्य तीनों की बचत हो रही है।

फुलमत बाई को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये भी प्राप्त होते हैं, जो उनके दैनिक खर्चों में बड़ी सहारा बनते हैं। सरकारी योजनाओं ने मिलकर उनके जीवन को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाया है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से साकार हो रहा ऊर्जा आत्मनिर्भरता का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने तथा स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ प्रदेश में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आज नागरिक न केवल बिजली व्यय में राहत पा रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी सशक्त कदम बढ़ा रहे हैं।

कोरबा जिले के खरमोरा निवासी श्री हीरा राम साहू इस योजना से लाभान्वित होने वाले नागरिकों में से एक हैं। उन्हें योजना की जानकारी समाचार माध्यमों से प्राप्त हुई। योजना की विशेषताओं एवं अन्य जानकारी प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने अपने निवास पर सोलर पैनल स्थापित कराने का निर्णय लिया, जून 2025 में उन्होंने अपने घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सौर संयंत्र स्थापित कराया, जिसकी कुल लागत लगभग 2 लाख 10 हजार रुपये आई। जिसमें केंद्र द्वारा 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया। इस प्रकार कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की शासकीय सहायता प्राप्त होने से उन पर आर्थिक भार में कमी आई और योजना का लाभ उन्हें सहज रूप से प्राप्त हुआ।

उनके परिवार में चार सदस्य हैं। पूर्व में उनके घर में विद्युत उपयोग मध्यम स्तर का था तथा प्रतिमाह विद्युत बिल एक नियमित व्यय के रूप में देय होता था। पैनल स्थापना के पश्चात पारंपरिक विद्युत पर उनकी निर्भरता लगभग समाप्त हो गई है। वर्तमान में उनका मासिक विद्युत बिल मात्र 30 से 70 रुपये के मध्य आ रहा है, इस बचत से उन्हें सेवानिवृत्ति उपरांत आर्थिक प्रबंधन में पर्याप्त सहूलियत प्राप्त हो रही है।

पूर्व में सीएसईबी में कार्यरत रहे एवं वर्तमान में सेवानिवृत्त जीवन व्यतीत कर रहे श्री हीरा राम साहू ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना वास्तव में आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी एवं लाभकारी है। इससे घरेलू व्यय में कमी आई है तथा स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की जनहितकारी योजनाएं नागरिकों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही हैं।

उद्योग मंत्री देवांगन ने चंदपुरिहा कंसोधन वैश्य गुप्ता समाज को सामुदायिक भवन की दी सौगात

25 लाख की लागत के भवन निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वाणिज्य उद्योग, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज रविवार को कोरबा मे चंदपुरिहा कंसोधन वैश्य गुप्ता समाज को 25 लाख की लागत के सामुदायिक भवन की सौगात देते हुए निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

आज डीडीएम नहर मार्ग मे आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में महर्षि कश्यप ऋषि की पूजा अर्चना कर जिला खनिज न्यास मद से बनने वाले भवन का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने संबोधित करते हुए कहा कि पिछली बार जब समाज के सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ था तब समाज की मांग पर इस कार्य की सहर्ष घोषणा की थी। जिला खनिज न्यास मद से 25 लाख की लागत से भवन की स्वीकृत कराई गई, और आज आज सभी के उपस्थिति में भवन का भूमि पूजन किया जा रहा है। साथ ही समाज के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। मंत्री देवांगन ने कहा कि कोरबा विधानसभा अंतर्गत सभी समाज की मांग अनुरूप उनके लिए सामुदायिक भवन, मंच, डोम शेड, बाउंड्री वॉल सहित महत्वपूर्ण विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। ट्रिपल इंजन की सरकार में 800 करोड़ से अधिक की राशि के कार्यों की विगत 2 वर्षों में प्राप्त हो चुकी है, उन सभी कार्यों को तेजी से धरातल पर उतर जा रहा है।

महापौर संजू देवी राजपूत ने कहा कि कोरबा नगर निगम क्षेत्र आज विकास के नए आयाम लिख रहा है, बड़े निर्माण कार्यों के साथ-साथ छोटे कार्य भी जल्द से जल्द शुरू कराकर पूर्ण कराया जा रहे हैं, सामाजिक भवनो का विकास कराई जा रहे हैं। उद्योग मंत्री के नेतृत्व में आज फंड तेजी से जारी हो रही है, आज इसी का परिणाम है की विकास कार्यों का लाभ जनता को मिलने लगा है। यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।

इस अवसर पर सभापति नूतन ठाकुर , पार्षद मथुरा चंद्रा ,पार्षद नरेंद्र देवांगन ,राम कुमार साहू, ईश्वर पटेल, योगेश्वर प्रसाद गुप्ता ,डॉ पीयूष गुरु गोस्वामी , राजेश गुप्ता, श्रीराम सेवक गुप्ता, मलिक राम गुप्ता, बालमुकुंद गुप्ता, देवेंद्र गुप्ता, मनोज गुप्ता, प्रभा गुप्ता, डॉ शुभम गुप्ता, सीमा गुप्ता, राजीव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, राकेश नागरमल, विजय गुप्ता सहित समाज के गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नक्सलगढ़ रहे गोगुण्डा में आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत

बिहान योजना से बदली तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित अंचलों में विकास की नई रफ्तार देखने को मिल रही है। सुकमा जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से अब दूरस्थ और पहाड़ी ग्रामों में आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। नियद नेल्लानार योजना में शामिल ग्रामों में विभिन्न विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगा है। जनपद पंचायत कोंटा अंतर्गत पूर्व में घोर नक्सल प्रभावित रहे पहाड़ी ग्राम गोगुण्डा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित बिहान योजना ने महिलाओं के जीवन में आशा की नई किरण जगाई है। विद्या महिला संकुल संगठन के अंतर्गत राम स्व-सहायता समूह की सदस्य गंगी मुचाकी ने अपने घर पर ग्राम की पहली किराना दुकान प्रारंभ कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत की है।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन की विशेष पहल से हाल ही में गोगुण्डा में पहली बार विद्युत सुविधा उपलब्ध हुई है। साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आधारभूत संरचना और निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। ऐसे सकारात्मक परिवर्तनों के बीच ग्राम में पहली किराना दुकान शुरू होना एक उपलब्धि है। इससे ग्रामीणों को दैनिक आवश्यक वस्तुओं के लिए दूरस्थ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, साथ ही स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बिहान योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

उन्नत तकनीकी विधि से गेहूं उत्पादन में वृद्धि

● कम लागत में अधिक मुनाफा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप कृषि क्षेत्र में उन्नत तकनीकों के विस्तार हेतु कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की पहल की जा रही है।

जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखण्ड के ग्राम बोखी के 60 वर्षीय कृषक श्री गणेश राम यादव इस प्रयास के प्रेरक उदाहरण हैं। वे पूर्व में परंपरागत देशी विधि से खेती करते थे, जिससे प्रति एकड़ लगभग 4 से 5 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त होती थी। चालू वर्ष में उन्होंने एसएमएसपी योजना अंतर्गत उन्नत तकनीकी विधि से गेहूं की किस्म जीडब्ल्यू-322 का उत्पादन किया। आधुनिक पद्धति अपनाने से उन्हें प्रति एकड़ 7 क्विंटल उपज प्राप्त हुई तथा शुद्ध आय बढ़कर 16 हजार रुपये तक पहुंच गई।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, क्षेत्र फरसाबहार, श्रीमती शशिप्रभा भोय द्वारा किसानों को उन्नत तकनीक से खेती हेतु प्रेरित करते हुए गुणवत्तापूर्ण गेहूं बीज उपलब्ध कराए गए। फसल प्रदर्शन के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए क्षेत्र के अन्य कृषक भी आगामी वर्ष में उन्नत तकनीकी विधि अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं। श्री गणेश राम यादव ने बताया कि वे आगामी वर्ष में गेहूं की खेती अधिक रकबे में आधुनिक तकनीक से करेंगे तथा अन्य किसानों को भी इस पद्धति को अपनाने हेतु प्रेरित करेंगे। यह प्रयास कृषि क्षेत्र में आयवृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

टेलरिंग के व्यवसाय में पूजा देवांगन को मिला मजबूत आधारं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कोरबा जिले की रहने वाली पूजा देवांगन आज आत्मनिर्भरता और नारी सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायी मिसाल बन चुकी हैं। सिलाई-कढ़ाई के क्षेत्र में आगे बढ़ने की उनकी इच्छा ने उन्हें लाईवलीहुड कॉलेज कोरबा तक पहुँचाया, जहाँ से उनके जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन की शुरुआत हुई। उन्होंने सबसे पहले टेलर दर्जी के बेसिक प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। यह उनके लिए वह पहला अवसर था, जिसने आगे उनकी प्रगति को गति दी। सात दिवस का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें चार हजार रुपये की स्टाइपेंड राशि और एक लाख रुपये तक का बिना गारंटर लोन प्राप्त हुआ, जिसके सहारे उन्होंने अपने छोटे व्यवसाय के काम को आगे बढ़ाना शुरू किया।

अपने कौशल को और निखारने के उद्देश्य से पूजा ने आगे एडवांस टेलर दर्जी प्रशिक्षण में प्रवेश लिया। पंद्रह दिवसीय इस प्रशिक्षण ने उन्हें आधुनिक तकनीकों, नए तरीकों से डिज़ाइन तैयार करने और उन्नत उपकरणों के उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दौरान उन्हें प्रतिदिन पाँच सौ रुपये के मान से कुल साढ़े सात हजार रुपये स्टाइपेंड और एक हजार रुपये यात्रा भत्ता भी मिला। साथ ही उन्हें दो लाख रुपये तक का बिना गारंटर ऋण स्वीकृत होने का लाभ भी प्राप्त हुआ, जिससे उनके बढ़ते व्यवसाय को मजबूत आधार मिला।

धीरे-धीरे पूजा ने अपने हुनर को कार्य में बदलना शुरू किया और घर पर ही सिलाई का काम शुरू कर दिया। उनके परिश्रम, प्रशिक्षण से मिले आत्मविश्वास और वित्तीय सहायता ने मिलकर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाया। आज पूजा अपने परिवार की मजबूती का आधार हैं और अपने व्यवसाय को विस्तार देने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उनका यह सफर अनेक महिलाओं के लिए भी प्रेरणादायी है कि अवसर, दृढ़ इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन मिल जाए तो हर महिला आत्मनिर्भर बन सकती है और अपने सपनों को साकार कर सकती है।

कलेक्टर-एसपी ने होली पर्व शांति एवं सौहार्द्र के साथ मनाने की अपील की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जांजगीर-चांपा 1 मार्च 2026/ कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने आगामी 4 मार्च को मनाए जाने वाले होली पर्व को शांति, सौहार्द्र एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील जिलेवासियों से की है। कलेक्टर महोबे ने हर्षोल्लास के साथ होली मनाते हुए जिले में आदर्श वातावरण बनाए रखने हेतु जिला एवं पुलिस प्रशासन को सहयोग देने अपील की है। उन्होंने होली समितियों एवं नागरिकों से अपील की है कि विद्युत तारों के नीचे, ट्रांसफार्मर के समीप तथा डामर की सड़कों पर होलिका दहन न करें, क्योंकि इससे दुर्घटना की आशंका एवं सड़कों को क्षति पहुंचती है। यदि किसी स्थान पर सड़क पर ही होलिका दहन अपरिहार्य हो, तो पहले मुरूम की परत बिछाकर उसके ऊपर ही होलिका सजाई जाए।

कलेक्टर ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि रंग-गुलाल एवं पिचकारी की दुकानों द्वारा सड़क पर लगाकर यातायात बाधित न किया जाए। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से उन्होंने हरे-भरे पेड़ों को न काटने तथा होलिका दहन हेतु सूखी लकड़ियों का ही उपयोग करने की अपील की है। पेड़ों की कटाई करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

पुलिस अधीक्षक पांडेय ने कहा है कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द्र के साथ शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि जबरन रंग न लगाएं, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं तथा तेज गति से वाहन चलाने से बचें।

उन्होंने होली के दौरान मुखौटा लगाकर सड़क या वाहन चलाने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने तथा वाहनों में प्रेशर हॉर्न लगाने से परहेज करने को कहा है। होलिका दहन एवं होली के दिन जिले में पुलिस की अतिरिक्त टीमें तैनात रहेंगी। बाइक पेट्रोलिंग, मोबाइल पार्टी, डायल-112 सेवा एवं सादी वर्दी में पुलिस बल की विशेष व्यवस्था की गई है।

सार्वजनिक स्थानों पर कानून-व्यवस्था भंग करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति की सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार- मंत्री नेताम

मंत्री रामविचार नेताम ने 50 लाख रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पण्डो समाज जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आज बलरामपुर जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत महादेवपुर में विशेष पिछड़ी जनजाति सम्मेलन का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत महादेवपुर में कुल 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले दो प्रमुख कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें 25 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण तथा 25 लाख रुपये की लागत से पण्डो समाज के लिए सामुदायिक भवन का निर्माण शामिल है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा नेताम एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण इस सम्मेलन में सम्मिलित हुए।

कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि पुलिया निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाला पण्डो समाज का सामुदायिक भवन सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। जहां समाज की बैठकें, सामाजिक आयोजन और अन्य कार्यक्रम संपन्न हो सकेंगे। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक भवन में समतलीकरण के लिए 5 लाख की घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि विशुनपुरा से बैकुंठपुर तक सड़क निर्माण का प्रस्ताव बजट में शामिल किया गया है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार होगा। ग्रामीणों की आवाजाही आसान होगी साथ ही व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि डिंडो, रामचंद्रपुर और रामानुजगंज में पण्डो छात्रावास भी बजट में शामिल है। छात्रावास बनने से दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और वे अपनी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रख सकेंगे। उन्होंने जानकारी दी है कि रामचंद्रपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी बजट में शामिल है।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और कृषि आधारित गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पण्डो समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। मंत्री नेताम ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता ग्रामीण अंचलों में प्राथमिक आवश्यकता है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने से आसपास के कई गांवों को लाभ मिलेगा और आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर इलाज सुनिश्चित हो सकेगा।

मंत्री रामविचार नेताम ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर पण्डो समाज के लोगों के साथ केक काटकर खुशियां साझा की। समाज के सभी वर्ग बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। मंत्री नेताम ने कहा कि अपने जन्मदिवस को समाज के बीच मनाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। और जनता का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि वे सदैव क्षेत्र के विकास और समाज की सेवा के लिए समर्पित रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा